फाल्गुन कृष्ण पक्ष- 2, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09 , अंक - 210 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल

03 फरवरी 2026 मंगलवार

आज का मौसम

28.2 अधिकतम

13.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

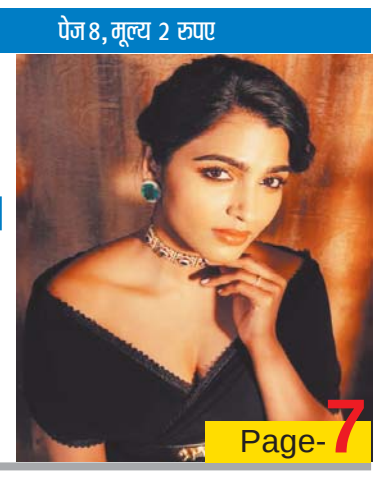

Page-7

न्यूज विंडो

पश्चिम बंगाल में 10 जगहों पर ईडी की छापेमारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में ईडी ने आज 10 जगहों पर छापेमारी की। यह छापेमारी कोयले की कथित अवैध माइनिंग और ट्रांसपोर्टेशन के मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत की गई। अधिकारियों ने बताया कि राज्य पुलिस अधिकारी मनोरंजन मंडल सहित लगभग दस ठिकानों पर प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। यह जांच उस दूसरे कथित कोयला घोटाले के मामले से अलग है, जिसकी जांच केंद्रीय जांच एजेंसी कर रही है।

ठाणे की 18 मंजिला इमारत में आग, दो लोग झुलसे

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे में तड़के सुबह एक 18 मंजिला इमारत आग की चपेट में आ गई। आग की लपटों के बीच 70 से ज्यादा लोग अंदर फंस गए, जिन्हें रेस्क्यू किया गया। पुलिस के अनुसार, इस घटना में 2 लोग घायल हैं।ये घटना ठाणे के शास्त्री नगर स्थित मिलान हिल का है। आज सुबह लगभग 4 बजे बिजली की पाइप से चिंगारी उठी और पलक झपकते ही पूरी बिल्डिंग आग की चपेट में आ गई।

रहमान डकैत का बेटा कराची में गिरफ्तार

कराची। पाकिस्तान के कराची में गैंगस्टर रहमान डकैत के बेटे को फिर से पुलिस ने धर दबोचा है। ल्यारी के खूंखार अंडरवर्ल्ड से जुड़े इस नाम ने एक बार फिर सुर्खियां बटोरी हैं, क्योंकि उसके बेटे जिब्रान को अवैध पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का कहना है कि यह आदमी पुराना अपराधी है, जो बार-बार जेल जा चुका है और अब भी उसी राह पर चल रहा था। कलाकोट पुलिस ने जिब्रान को पकड़ा गया है। उसके पास से एक अवैध पिस्तौल बरामद हुई। पुलिस ने बयान जारी कर बताया कि जिब्रान अब्दुल रहमान उर्फ रहमान डकैत का बेटा है और वह लंबे समय से अपराध की दुनिया में सक्रिय है।

सीबीएसई 10वीं-12वीं की परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र जारी

नईदिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने वर्ष 2026 में होने वाली कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के लिए एडमिट कार्ड जारी कर दिए हैं। बोर्ड ने परीक्षा संगम पोर्टल parikshasangam.cbse.gov.in पर एडमिट कार्ड डाउनलोड की सुविधा शुरू कर दी है। एडमिट कार्ड में छात्र का नाम, रोल नंबर, जन्मतिथि, परीक्षा केंद्र का नाम और पूरा पता लिखा होगा। साथ ही किस विषय की परीक्षा किस दिन होगी, परीक्षा का समय और विषय कोड भी एडमिट कार्ड में दिए होते हैं।

इमरान खान की बहन के खिलाफ वारंट जारी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की रावलपिंडी स्थित आतंकवाद-रोधी अदालत ने 2024 में हुए प्रदर्शन के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन अलीमा खान के खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। अदालत ने यह वारंट बार-बार समन के बावजूद पेश न होने से जारी किया। सुनवाई के दौरान अलीमा खान के वकील फैसल मलिक ने दलील दी कि जब तक उनके मुवक्किल के बैंक खाते और पहचान पत्र फ्रीज हैं, तब तक वे अदालत में पेश नहीं होंगी।

आज का कार्टून

उम्मीदों को लगे पंख...

गारमेंट, लेदर और फुटवियर निर्यातकों को सबसे ज्यादा फायदा

अमेरिका से ट्रेड डील का असर... चीन और बांग्लादेश पर भारी पड़ेगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील होने और भारतीय सामान पर टैरिफ 50 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी किए जाने से गारमेंट, लेदर और फुटवियर बनाने वाली कंपनियों को सबसे ज्यादा फायदा होने की उम्मीद है। इनसे जुड़े उत्पादकों ने हाल ही में समर सीजन के लिए कंटेनर डिस्पैच किए हैं और वे अगले सीजन को लेकर चिंतित थे। कई छोटी भारतीय कंपनियों ने पिछले कुछ महीनों से अमेरिका को एक्सपोर्ट बंद कर दिया था जबकि बड़ी कंपनियां भारी डिस्काउंट देकर अपना बिजनेस बचा रही थीं। ऐसा ही रत्न और आभूषण निर्यात करने वालों के साथ भी है जिनकी उम्मीदों को पंख लगे हैं।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने भारत पर रूसी तेल खरीदने के लिए लगाया गया 25

फ़ीसदी अतिरिक्त टैरिफ भी हटाने की बात कही है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूसी तेल की खरीद बंद करने के लिए सहमत हो गए हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों का कहना है कि इस डील में भारत और अमेरिका दोनों की चिंताओं का पूरा ख्याल रखा गया है।

भारत ट्रेड सरप्लस की स्थिति में

अमेरिका भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर हैं। दोनों देशों के बीच आपसी व्यापार 131.84 अरब डॉलर का है। सबसे बड़ी बात यह है कि अमेरिका के साथ भारत ट्रेड सरप्लस की स्थिति में है। दोनों देश पिछले साल फरवरी से ट्रेड एग्रीमेंट पर बातचीत कर रहे हैं। दोनों देशों ने 2030 तक आपसी ट्रेड को 500 अरब डॉलर पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। ट्रेड डील होने के बाद अमेरिकी बाजार में भारतीय सामान अब ज्यादा प्रतिस्पर्द्धी हो गया है। मसलन भारतीय गारमेंट्स पर अब 18 फीसदी टैरिफ लगेगा जबकि बांग्लादेश और श्रीलंका पर यह 20 फीसदी है। इसी तरह भारतीय कारपेट को भी फायदा होगा। 50 फीसदी टैरिफ के कारण भारतीय कारपेट को काफी मार्केट शेयर गंवाना पड़ा था। लेकिन अब यह तुर्की के कारपेट की तुलना में सस्ता बैठेगा। इसी तरह अमेरिका के बाजार में एक बार फिर भारतीय झींगा सस्ता हो जाएगा। रत्न एवं आभूषण निर्यात करने वाली कंपनियों ने राहत की सांस ली है।

समझौते की डिटेल का इंतजार

चीन की तुलना में भी भारतीय सामान अब अमेरिका में सस्ता हो जाएगा। चीन के अधिकतर सामान पर अमेरिका में 34 फीसदी टैरिफ है। हालांकि कंपनियों को ट्रेड डील की डिटेल का इंतजार है क्योंकि इस बारे में कोई जॉइंट स्टेटमेंट नहीं दिया गया है। भारत ने हाल में यूके और यूरोपियन यूनियन के साथ भी ट्रेड डील की है। इससे भारतीय निर्यातकों को अपने पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाई करने का मौका मिलेगा। अप्रैल से नवंबर के बीच भारत से अमेरिका का एक्सपोर्ट 11.3 फीसदी बढ़कर 59 अरब डॉलर रहा। इस दौरान स्मार्टफोन का एक्सपोर्ट दोगुना होकर 16.7 अरब डॉलर रहा। अगस्त में भारतीय सामान पर 25 फीसदी टैरिफ लगाया गया था और उसके बाद रूस के तेल खरीदने के कारण 25 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ लगाया गया था।

आत्मविश्वास में शक्ति - मोदी

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, आत्मविश्वास वह शक्ति है, जिसके बल पर सब कुछ संभव है। विकसित भारत के सपने को साकार करने में देशवासियों की यही शक्ति बहुत काम आने वाली है। पीएम ने यह श्लोक पोस्ट किया - **श्रीर्म-लात् प्रभवति प्रागल्भ्यात् सम्प्रवर्धते। दाक्ष्यात् तु कुरुते मूलं संयमात् प्रतितिष्ठति॥**

डील के साइड अफेक्ट्स... महंगा तेल आयात करना पड़ेगा, बढ़ सकती है महंगाई

अमेरिका का दावा है कि भारत के साथ रूस से तेल न खरीदने की शर्त पर ही डील हुई है। ऐसे में भारत पर तेल के लिए अतिरिक्त रकम चुकाने का दबाव रहेगा क्योंकि रूस का तेल अब तक काफी सस्ता रहा है। 2024 में भारत के कुल कच्चे तेल के आयात का 36 फीसदी हिस्सा रूस से आया था। यह उस वक्त हर दिन 1.8 मिलियन बैरल ऑयल था। बीते साल दिसंबर में जब रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत आए थे तो उन्होंने भारत को अमेरिकी दबाव को दरकिनार करते हुए बिना बाधा के तेल की सप्लाई जारी रखने का भरोसा दिया था। रिपोर्ट के अनुसार, रूस भारत को डिस्काउंट रेट पर क्रूड ऑयल देता रहा है। अब अमेरिका से तेल खरीदने पर भारत को यह काफी महंगा पड़ेगा। भारत को इस कच्चे तेल के लिए दुनिया में चल रही कीमतों के आधार पर पेमेंट करनी होगी। इसके अलावा, महंगी ढुलाई का बोझ भी पड़ेगा। इससे भारत को 5 से 10 फीसदी प्रति बैरल ज्यादा कीमत पर तेल आयात करना पड़ेगा। यानी अरबों डॉलर का बोझ पड़ेगा। रूस का तेल अभी तक 50-55 डॉलर पड़ता रहा है। जब अमेरिकी पाबंदी लगी तो भी माल ढुलाई और बीमा के साथ इस तेल की कीमत 62-65 डॉलर प्रति बैरल ही रही है। अगर, सालाना अंतर निकालें तो यह भारत के कुल तेल आयात बिल पर 9-12 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त बोझ बढ़ाएगा। यह इस बात पर भी निर्भर करेगा कि अमेरिका से कितना तेल मंगाया जा रहा है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के एक आकलन के अनुसार अगर रूस से तेल खरीदना बंद करते हैं तो तेल आयात बिल में मौजूदा वित्त वर्ष में 9 बिलियन डॉलर का इजाफा होगा। यह अगले वित्त वर्ष में 12 बिलियन डॉलर हो सकता है। इससे तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं और महंगाई पर भी असर पड़ेगा।

नए 'बैगेज रूल्स, 2026' लागू

अब 75 हजार रु. तक का इम्पोर्टेड सामान ड्यूटी फ्री

नईदिल्ली, एजेंसी

आप विदेश भ्रमण करने वाले हैं या किसी काम से विदेश जाते रहते हैं तो यह आपके काम की खबर है। भारत सरकार ने विदेश से लौटने वाले भारतीयों के लिए इंपोर्टेड सामानों पर ड्यूटी-फ्री लिमिट को बढ़ा दिया है। इस लिमिट में 25 हजार की बढ़ोतरी कर दी गई है।

केंद्रीय वित्त मंत्रालय के नोटिफिकेशन के मुताबिक अब विदेश से लौटने वाले भारतीय 75,000 रुपये का सामान ड्यूटी फ्री ला सकते हैं। मतलब कि उन्हें इतनी राशि के विदेशी सामानों पर कोई टैक्स नहीं चुकाना होगा। यह बदलाव भारतीय मूल के निवासियों और पर्यटकों पर लागू होगा जो हवाई या समुद्री मार्ग से भारत आ रहे हैं। अभी तक देश में बैगेज रूल 2016 लागू था। अब नए बैगेज रूल्स, 2026 के तहत भारत आने वाले भारतीय मूल के निवासी या पर्यटक,

जो जमीन के रास्ते से नहीं आ रहे हैं, 75,000 रुपये तक के सामान बिना कस्टम ड्यूटी दिए ला सकते हैं। यह सामान यात्री के साथ होना चाहिए। इससे पहले तक यह लिमिट 50,000 रुपये की थी। ऐसे भारतीय निवासियों या भारतीय मूल के पर्यटकों के लिए जो एक साल से ज्यादा समय से विदेश में रह रहे हैं, उनके लिए भी लिमिट रिवाइज किया गया है। अब 12 महीने तक विदेश में रहने वाले व्यक्ति अपने साथ डेढ़ लाख रुपये का सामान बिना ड्यूटी चुकाए ला सकते हैं। जो एक से दो साल के बीच विदेश में रह कर वापस आ रहे हैं, उनके लिए लिमिट तीन लाख रुपये है।

सोने के गहनों के लिए अलग नियम

भारतीय निवासियों, जो कि विदेशों में एक साल से ज्यादा समय तक रहते हैं, के लिए सोने के गहनों के लाने के लिए अलग नियम बनाए गए हैं। ऐसे यात्रियों के भारत लौटने पर, महिला यात्री 40 ग्राम तक सोना या अन्य कीमती धातु के गहने बिना ड्यूटी दिए ला सकती हैं। महिला यात्रियों के अलावा अन्य यात्रियों के लिए, यह ड्यूटी-फ्री गहनों की लिमिट 20 ग्राम होगी, बशर्ते कि यह उनके असली सामान का हिस्सा हो।

सरदार सरोवर विस्थापितों को राहत मिलने के आसार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में आज राज्य कैबिनेट की बैठक हो रही है। इसमें जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास, वित्त, श्रम, पशुपालन, महिला एवं बाल विकास समेत कई विभागों के प्रस्ताव भी पेश किए जाने हैं। सरदार सरोवर परियोजना के विस्थापितों को आवंटित भूखंडों की रजिस्ट्री कराए जाने और इसके लिए पंजीयन शुल्क व स्टैंप ड्यूटी की प्रतिपूर्ति करने का निर्णय लिया जा सकता है। जल संसाधन विभाग के प्रस्ताव पर कैबिनेट में धनवाही सूक्ष्म सिंचाई परियोजना और बड़ी सूक्ष्म उद्भावन सिंचाई परियोजना को मंजूरी मिलने के आसार है। इन परियोजनाओं से कृषि क्षेत्र में सिंचाई सुविधा को मजबूती मिलेगी।

लोकसभा में भारी हंगामा, पीएम के खिलाफ नारों के बीच सदन स्थगित

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार पर निशाना साधने की कोशिश कर रहे कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने आज लोकसभा में हंगामा किया।

बजट सत्र के पांचवें दिन लोकसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई और 8 मिनट ही चली। विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारे लगाए। सदन 12 बजे तक स्थगित किया गया।दूसरी बार भी सदन की कार्यवाही केवल 13 मिनट ही चल सकी। स्पीकर ने सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित की है।लोकसभा स्पीकर ने विपक्षी सांसदों से कहा- नारेबाजी गलत है, नियमों के खिलाफ है। इसके बावजूद विपक्ष लगातार हंगामा करता रहा।सूत्रों के मुताबिक, हंगामे को लेकर स्पीकर ओम बिरला ने सदन चलाने के लिए कांग्रेस और भाजपा सांसदों के साथ बैठक की है।

भारत - पाकिस्तान मुकाबला होगा या नहीं... दांव पर लगे हैं 2200 करोड़

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप का ग्रुप मैच नहीं खेलने के पाकिस्तान सरकार के फैसले के बाद आईसीसी द्वारा पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पर संभावित बैन लगाए जाने की अटकलें तेज हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच खेले जाने वाला मुकाबला एक अनुमान के मुताबिक करीब 25 करोड़ डॉलर (2200 करोड़ रुपये) का राजस्व पैदा करता है। ऐसे में आगामी टी20 वर्ल्ड कप में इस अहम मुकाबले के नहीं होने से सभी स्टेकहोल्डर्स को भारी नुकसान हो सकता है।

दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण रिश्तों के चलते भारत और पाकिस्तान केवल कई देशों वाली चेम्पियनशिप्स में ही आमने-सामने होते हैं। ऐसे मुकाबले को लेकर रोमांच इतना जबरदस्त होता है कि आईसीसी हर वैश्विक आयोजन में दोनों टीमों को एक ग्रुप में रखता है। पाकिस्तान अगर अपने फैसले पर अड़ा रहता है, तो उसे करोड़ों डॉलर के राजस्व नुकसान का जोखिम उठाना पड़ेगा। मैच नहीं होने की स्थिति में भारतीय अधिकारिक ब्रॉडकास्टर जियोहॉटस्टार को भी भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। जियो हॉटस्टार पहले से ही विश्व क्रिकेट संस्था के साथ अपने तीन अरब डॉलर के करार पर फिर से बातचीत करने की कोशिश कर रहा है। ब्रॉडकास्टर को इस मुकाबले से 200 से 250 करोड़ रुपये तक के विज्ञापन राजस्व का नुकसान हो सकता है। वॉकओवर की स्थिति में भारत को पूरे अंक मिल जाएंगे। आईसीसी के वित्तीय जुर्माना लगाने का अधिकार बरकरार रहेगा।

खाई में गिरी हिमाचल की बस, 3 की मौत

देहरादून। आज सुबह हिमाचल प्रदेश के चौपाल-नेरवा से पांवटा जा रही एचआरटीसी की एक बस क्वानू के पास अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक लोग गंभीर रुप से घायल हो गए। यह बस सुबह साढ़े छह बजे चौपाल डिपो से पहले नेहवा पहुंची और उसके बाद मीनस-क्वानू-हरिपुर रूट से पांवटा जा रही थी।

मेट्रो एंकर

एफआईआर से पहले प्रारंभिक जांच, राजनीतिक आलोचना और व्यंग्य को मानहानि नहीं कहा जा सकता

सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर गिरफ्तारी जरूरी नहीं- सुप्रीम कोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना हाई कोर्ट के एक फैसले को बरकरार रखा है। ये मामला सोशल मीडिया पर अपनी बात रखे जाने से जुड़ा था, जिसमें सर्वोच्च अदालत ने तेलंगाना हाईकोर्ट की गाइडलाइंस को ही बरकरार रखा। इसमें स्पष्ट किया गया कि सोशल मीडिया पोस्ट पर सीधे गिरफ्तारी नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसले में पुलिस को सोशल मीडिया पर कड़ी, आपत्तिजनक, आलोचनात्मक राजनीतिक भाषण पर बिना जांच किए और शिकायतकर्ता के कंप्लेन की वैधता को जांचे बिना केस दर्ज करने से रोका गया है।

सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से उन लोगों को बड़ी राहत मिल सकती है जो सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सरकार या सत्ताधारी

पार्टी की आलोचना करते हैं। सर्वोच्च कोर्ट का फैसला उनके मौलिक अधिकारों की रक्षा करता है। इस आदेश से सोशल मीडिया पोस्ट करने वालों को परेशान करने की मौजूदा प्रथा खत्म हो सकती है। गाइडलाइंस में कहा गया है कि पुलिस को केस दर्ज करने से पहले यह वेरिफाई करना होगा कि शिकायतकर्ता कानून के अनुसार पीड़ित व्यक्ति की श्रेणी में आता है या नहीं। इसके साथ ही एफआईआर दर्ज करने से पहले प्रारंभिक जांच करनी होगी। पुलिस आपराधिक कानून तभी लागू कर सकती है जब पोस्ट हिंसा भड़काने या सार्वजनिक व्यवस्था के लिए खतरा हो। इससे पहले तेलंगाना हाई कोर्ट ने राज्य की कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री की आलोचना करने के लिए दर्ज आपराधिक मामलों को रद्द करते हुए यह आदेश पारित किया था। हाई कोर्ट ने कहा था कि सोशल मीडिया पोस्ट साफ तौर पर राजनीतिक आलोचना और व्यंग्य थे। ये किसी की मानहानि या फिर सार्वजनिक उपद्रव की वजह नहीं हैं। आर्टिकल 19(1)(a) की ओर से ये पूरी तरह सुरक्षित हैं।

प्रथम दृष्टया सबूत होने चाहिए

ऐसे में अदालत ने कहा कि दुश्मनी को बढ़ावा देने, जानबूझकर अपमान, सार्वजनिक उपद्रव, सार्वजनिक व्यवस्था के लिए खतरा या राजद्रोह का कोई भी मामला तब तक दर्ज नहीं किया जाएगा जब तक कि हिंसा, नफरत, या सार्वजनिक अव्यवस्था को भड़काने वाले प्रथम दृष्टया सबूत मौजूद न हों। हाईकोर्ट के आदेश की जांच करने और नियमों को देखने के बाद, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम उच्च न्यायालय ने जो किया है, उसकी सराहना करते हैं। सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा ने कोर्ट को नियमों की जांच करने की जरूरत पर जोर देने की कोशिश की क्योंकि इसके व्यापक प्रभाव होंगे। गाइडलाइंस में कहा गया है कि ऑटोमैटिक या मैकेनिकल गिरफ्तारियां अस्वीकार्य हैं, और आपराधिक प्रक्रिया के इस्तेमाल में आनुपातिकता के सिद्धांत का पालन किया जाना चाहिए।

जनवरी बीत गई नहीं बना गाइडलाइन का प्रस्ताव

शहर में प्रॉपर्टी की मनमानी दरें बढ़ाने की हो रही तैयारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नए वित्तीय वर्ष 2026-27 की कलेक्टर गाइडलाइन बनाने का आदेश महानिरीक्षक पंजीयन कार्यालय ने नवंबर 2025 में जारी किया था। जिसके अनुसार 30 जनवरी तक प्रस्ताव तैयार कर सुझावों पर सुनवाई की जानी थी और 15 फरवरी तक केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड को भेजा जाना था, लेकिन ऐसा नहीं हो सका है। इसका नतीजा यह होगा कि इस बार भी लोगों के पास अपने सुझाव पेश करने का समय नहीं रहेगा और मनमानी प्रॉपर्टी की दरें बढ़ा दी जाएंगी।

प्रस्तावित दरों में कटौती कर प्रस्ताव लागू किया गया था : इस वित्तीय वर्ष में भी प्रस्ताव बनाने में अधिकारियों ने लेटलतीफी बरती थी और लोग अपने सुझाव दर्ज नहीं करवा पाए थे।जब जनप्रतिनिधियों ने आपत्ति दर्ज करवाई तो प्रॉपर्टी की प्रस्तावित दरों में कटौती कर प्रस्ताव को लागू किया गया था। महानिरीक्षक पंजीनय कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 की कलेक्टर गाइडलाइन का प्रस्ताव उप जिला मूल्यांकन समिति को संपदा सॉफ्टवेयर के माध्यम से तैयार कर 15 जनवरी को जिला मूल्यांकन समिति को भेज देना था।

18 प्रतिशत वृद्धि कर दी थी प्रस्तावित, हुआ था विरोध

वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बनाई गई कलेक्टर गाइडलाइन में अधिकारियों ने 18 प्रतिशत तक औसत वृद्धि प्रस्तावित कर दी थी, जिसका जमकर विरोध शुरू हो गया था। इसके बाद इसमें चार प्रतिशत की कटौती कर 14 प्रतिशत वृद्धि का प्रस्ताव केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड को भेजा गया था। इससे बोर्ड ने गाइडलाइन दरों में औसत 11 प्रतिशत वृद्धि तय की थी। इसके बाद भी कई क्षेत्रों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि प्रस्तावित कर दी गई थी। जिले की तीन हजार 883 में से एक हजार 312 स्थानों पर दरें बढ़ाई गइ थीं।

30 जनवरी तक सुझावों को प्राप्त कर सुनवाई की जानी थी

जिला मूल्यांकन समिति द्वारा 30 जनवरी तक लोगों के सुझावों को प्राप्त कर सुनवाई की जानी थी, लेकिन तीन महीने का समय बीत गया और न ही प्रस्ताव तैयार हुआ है और न ही लोगों को इसकी जानकारी दी गई है। ऐसे में 15 फरवरी तक केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड को प्रस्ताव भेजना असंभव है और अब अधिकारी आनन-फानन में प्रस्ताव तैयार करने में जुटे हुए हैं। जिससे आशंका जताई जा रही है कि प्रॉपर्टी की दरों में मनमानी वृद्धि की जाएगी, जिससे आमनज को प्रॉपर्टी खरीदना मुश्किल हो जाएगा। बताया जाता है कि नई कलेक्टर गाइडलाइन के प्रस्ताव पर काम किया जा रहा है, जल्द ही बैठक में चर्चा के बाद प्रस्ताव जिला मूल्यांकन समिति को भेज दिया जाएगा।

घने कोहरे के साथ राजधानी की सुबह

भोपाल। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के एक्टिव होने से प्रदेश में ओले, बारिश और आंधी का दौर जारी है। भोपाल के ज्यादातर हिस्सों में सुबह घना कोहरा रहा। शाम को बारिश की संभावना व्यक्त की गई है।

हीटिंग साइकिल का समय कम, हीट की संख्या में वृद्धि

उच्च क्षमता वाले थायरिस्टर्स की सफल कमीशनिंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बीएचईएल भोपाल की फाउंड्री शॉप (ब्लॉक-5) में इंडक्शन फर्नेस के लिए उच्च क्षमता वाले रेक्टिफायर एवं इन्वर्टर थायरिस्टर्स का सफलतापूर्वक कमीशनिंग किया गया। यह उन्नयन फीडर्स विभाग के लिए एक महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि माना जा रहा है, जिससे हीटिंग साइकिल का समय कम हुआ है और प्रतिदिन 'हीट' की संख्या में वृद्धि हुई है। इसके परिणामस्वरूप कास्टिंग उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। यह उपलब्धि फाउंड्री शॉप और अनुरक्षण टीमों की सुनियोजित योजना एवं प्रभावी क्रियान्वयन का परिणाम है, जिसका उद्देश्य उत्पादन प्रवाह में सुधार लाना और निरंतर एवं समयबद्ध उत्पादन सुनिश्चित करना रहा। फर्नेस की दक्षता में सुधार से विभिन्न उत्पाद समूहों के लिए उत्पादन बढ़ाने और समय पर आपूर्ति प्रतिबद्धताओं को और मजबूत करने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर आयोजित समारोह में कार्यकारी निदेशक (एचईपी भोपाल) प्रदीप कुमार उपाध्याय उपस्थित रहे. उन्होंने फाउंड्री टीम की सराहना करते हुए समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के उनके प्रयासों की प्रशंसा की। इस दौरान कार्यक्रम में महाप्रबंधक रूपेश तेलंग, महाप्रबंधक (फीडर्स) संतोष डोंगरे सहित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे.

इंदौर-भोपाल मार्ग पर सात ब्लैक स्पॉट, 3 साल में 65 से अधिक मौतें

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

इंदौर-भोपाल फोरलेन मार्ग पर बढ़ते सड़क हादसों ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस हाईवे पर सात स्थानों को ब्लैक स्पॉट के रूप में चिन्हित किया गया है, जहां पिछले तीन वर्षों में 65 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। आंकड़ों के अनुसार ग्राम कोठरी क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित रहा, जहां 21 मौतें दर्ज की गईं। इसके बाद अमलाहा टोल से अमलाहा के बीच 18 लोगों की जान गई। सैकड़ाखेड़ी जोड़ पर 11, लसूडिया परिहार और चचरासी जोड़ पर 5-5, बिल किसगंज जोड़ पर 3 व जताखेड़ा क्षेत्र में 2 लोगों की मौत हुई है।

अमलाहा चौराहा क्षेत्र लगातार सुर्खियों में बना हुआ है: इनमें अमलाहा चौराहा क्षेत्र लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। भोपाल-धामंदा मार्ग पर स्थित यह चौराहा दुर्घटनाओं का केंद्र बन गया है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम और संबंधित टोल कंपनी की लापरवाही के कारण यहां हालात नहीं सुधर रहे।

अपेक्षित सुरक्षा उपाय लागू नहीं किए गए: ब्लैक स्पॉट घोषित किए जाने के बावजूद अपेक्षित सुरक्षा उपाय लागू नहीं किए गए हैं। रहवासियों और व्यापारियों का कहना है कि चौराहे पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था नहीं है। हाई मास्ट लाइट, रिफ्लेक्टर, फ्लैशिंग सिग्नल और स्पष्ट चेतावनी बोर्डों का अभाव है। रात के समय दृश्यता कम होने से व तेज रफ्तार वाहनों से दुर्घटनाओं का खतरा और बढ़ जाता है।

औसतन 10 से 11 लोगों की मौत हो रही है: अचानक कट और असुरक्षित क्रासिंग के चलते कई गंभीर हादसे हो चुके हैं। क्षेत्र के लोगों का दावा है कि यहां हर साल औसतन 10 से 11 लोगों की मौत हो रही है। न तो स्थायी समाधान दिखाई देता है और न ही प्रभावी ट्रैफिक प्रबंधन स्थानीय लोगों ने सवाल उठाया है कि जब किसी स्थान को ब्लैक स्पाट घोषित किया जाता है, तो नियमानुसार त्वरित सुधारात्मक कदम उठाए जाने चाहिए।

एम्स के डॉक्टरों ने मरीजों को दी नई जिंदगी, पहली बार फेफड़ों की जटिल सर्जरी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एम्स ने प्रदेश में पहली बार फेफड़ों से जुड़ी दो अत्यंत जटिल सर्जरी कर मरीजों को नई जिंदगी दी है। पल्मोनरी मेडिसिन विभाग के डॉ. अभिनव चौबे, असिस्टेंट प्रोफेसर और डॉ. अल्केश खुराना प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष के नेतृत्व में दोनों जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक पूरा किया। एक ऐसा मरीज जो एक दुर्लभ बीमारी से पीड़ित था. जिससे फेफड़ों की वायु थैलियों में गाढ़ा पदार्थ भर गया, इस कारण मरीज को सांस लेने में अत्यधिक परेशानी हो रही थी, जिससे शरीर में ऑक्सीजन का स्तर

काफी नीचे गिर गया था। चिकित्सकों की टीम ने ब्रोंकोस्कोपिक डिबल्किंग तकनीक से ट्यूमर को हटाया और इसके बाद श्वसन मार्ग को खोलने के लिए वाई आकार के विशेष मेटल स्टेंट का प्रत्यारोपण किया। इस उपचार के बाद मरीज को तुरंत श्वांस लेने में राहत मिली और प्रभावित फेफड़ा दोबारा कार्य करने लगा। ब्रोंकोस्कोपिक डिबल्किंग तकनीककम चीर-फाड़ वाली चिकित्सीय प्रक्रिया है, जिसका उपयोग सांस की नली को अवरुद्ध करने वाले ट्यूमर को हटाने या उनका आकार कम करने के लिए किया जाता है। पल्मोनरी मेडिसिन विभाग की टीम ने इस मरीज का इलाज होल लंग लैवेज नामक विशेष तकनीक से किया. जिसके तहत प्रक्रिया में पूरे फेफड़ों को सावधानीपूर्वक साफ किया गया. जिसके बाद मरीज की सांस लेने की क्षमता में सुधार हुआ और ऑक्सीजन स्तर भी सामान्य होने लगा। इस जटिल प्रक्रिया को सुरक्षित रूप से पूरा करने में एनेस्थीसिया और सीटीवीएस विभाग की टीम का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। बता दें होल लंग लैवेज तकनीक एक चिकित्सीय प्रक्रिया है, जिसका उपयोग फेफड़ों में जमा प्रोटीनयुक्त पदार्थ को धोकर बाहर निकाला जाता है। कैंसर से पीड़ित एक मरीज जिसकी श्वांस नली में ट्यूमर था। इसके चलते एक फेफड़ा लगभग काम करना बंद कर चुका था और मरीज को श्वांस लेने में तकलीफ हो रही थी।

एमपी बिजनेस नेटवर्क समिट का समापन

चाय सुट्टा बार के फाउंडर अनुभव दुबे बोले कोई भी काम शुरू करने की यही सही उम्र

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एमपी बिजनेस नेटवर्क समिट 2026 के अंतिम दिन स्टार्टअप सोच नेटवर्किंग और ग्रीन एनर्जी पर केंद्रित चर्चा हुई। बिजनेस नेटवर्क

इंटरनेशनल भोपाल चैप्टर द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय समिट में उद्यमियों और बिजनेस लीडर्स ने बदलते कारोबारी माहौल पर अपने अनुभव साझा किए। चाय सुट्टा बार के फाउंडर अनुभव दुबे ने कहा कि कोई भी काम शुरू करने की यही सही उम्र है। आइडिया सोचिए और सीधे बाजार में उतरिए क्योंकि मार्केट से बड़ा कोई गुरु नहीं है। उन्होंने अपने सफर को साझा करते हुए बताया कि रीवा के मध्यम वर्गीय परिवार से निकलकर उन्होंने इंदौर में एक छोटी चाय की दुकान से शुरुआत की। कोरोना काल को सबसे कठिन दौर बताते हुए उन्होंने कहा कि इसी समय बनाई गई रणनीति के चलते आज उनका ब्रांड विदेशों तक पहुंच सका। वहीं ग्रीन एनर्जी सत्र में लेफ्टिनेंट कर्नल सेवानिवृत्त मोनीष आहूजा और कुकी के फाउंडर कुशाग्र भाटिया ने कहा कि आने वाला समय उन व्यवसायों का है, जो मुनाफे के साथ पर्यावरण की जिम्मेदारी निभाएंगे। लोकल जरूरतों के अनुसार सोलर और बायो एनर्जी को अपनाने से रोजगार और स्टार्टअप के नए अवसर बनेंगे। अन्य सत्रों में बिजनेस नेटवर्किंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को स्टार्टअप ग्रोथ का मजबूत आधार बताया गया। वक्ताओं ने कहा कि नेटवर्किंग आज मेंटरशिप फंडिंग और स्केल अप का अहम जरिया बन चुकी है। इस अवसर पर खेल एवं सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग सहित कई उद्योग विशेषज्ञ और बड़ी संख्या में उद्यमी उपस्थित रहे।

लव-जिहाद रोकने वार्डवार महिला नेटवर्क तैयार करेगी हिंदू समिति

बंदूक चलाने से लेकर जूडो-कराते तक की देंगे ट्रेनिंग

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

हिंदू उत्सव समिति ने लव जिहाद की घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से वार्ड और मोहल्ला स्तर पर महिला सदस्यों का संगठित नेटवर्क तैयार करने की विस्तृत रणनीति बनाई है। समिति अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने बताया कि संगठन अब केवल पर्व-त्योहारों तक सीमित भूमिका में नहीं रहेगा, बल्कि सामाजिक स्तर पर निरंतर और जमीनी हस्तक्षेप करेगा। उनका कहना है कि उत्सव तभी सार्थक है, जब समाज और परिवार सुरक्षित व खुशहाल हों।

तिवारी के अनुसार समिति हर वार्ड और मोहल्ले में युवक-युवतियों की संयुक्त टीमें बनाएगी। इन टीमों में महिलाएं केंद्रीय भूमिका में होगी। महिला सदस्य घर-घर जाकर माताओं, बहनों और युवतियों से संवाद करेंगी और उन्हें सतर्कता व जागरूकता के बिंदुओं पर समझाइश देंगी। समिति का तर्क है कि महिलाओं से जुड़े संवेदनशील विषयों पर महिलाओं की बात अधिक प्रभावी होती है, इसलिए अभियान की कमान मातृशक्ति को सौंपी जा रही है। समिति ने अभियान के लिए क्षेत्र-आधारित टीम मॉडल तैयार किया है। अध्यक्ष के मुताबिक वार्ड का दायरा बड़ा होने के कारण हर मोहल्ले या बस्ती के हिसाब से अलग-अलग टीमें गठित की जाएंगी। उदाहरण के तौर पर पटेल नगर बस्ती में करीब 2000 परिवार हैं। यहां पांच टीमें बनाई जाएंगी, जो अपने-अपने क्षेत्र में नियमित संपर्क कर परिवारों से संवाद करेंगी। हर टीम में युवक और युवतियां मिलकर काम करेंगे, ताकि संवाद संतुलित और प्रभावी रहे।

महिला सदस्यता पर विशेष जोर: समिति ने एक वर्ष में एक लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य तय किया है। इसमें 35 से 40 फीसदी सदस्य महिलाएं और 18 वर्ष से अधिक आयु की युवतियां होंगी। तिवारी ने बताया कि संगठन के आंतरिक चुनाव और मतदान प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए वयस्क सदस्यों को ही जोड़ा जाएगा। माताओं, बहनों और युवतियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए अलग-अलग स्तर पर संवाद व जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। समिति की रणनीति का अहम हिस्सा आत्मरक्षा प्रशिक्षण है। अध्यक्ष के मुताबिक फिलहाल संगठनात्मक ढांचा और टीमों का गठन किया जा रहा है। इसके बाद करीब छह महीने में चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू होंगे।

मेट्रो एंकर

जश्न-ए- उर्दू समारोह का समापन

जश्न-ए-उर्दू... भाषा और साहित्य की सार्थक सांस्कृतिक यात्रा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

जश्न-ए- उर्दू समारोह का समापन हो गया। साहित्यिक उत्सव के समापन अवसर पर चिलमन सत्र में उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने कहा कि जश्न- ए-उर्दू... उर्दू भाषा और साहित्य की एक सार्थक सांस्कृतिक यात्रा है। जो आत्मबोध से विश्वबोध तक ले जाती है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन संवाद समरसता और रचनात्मक चेतना को मजबूत करता है। शाम ढलते ही शायरी, संवाद और संगीत ने ऐसा समां बांधा कि श्रोता देर तक एहसास में खोये रहे। व्याख्यान सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय की डॉ. सैयद मुबीन ज़हरा ने उर्दू की ऐतिहासिक साहित्यिक परंपराओं पर प्रकाश डालते हुए इसे सामाजिक जागरूकता और वैचारिक स्वावलंबन की भाषा बताया। वहीं वरिष्ठ लेखिका डॉ. इशरत नाहीद ने उर्दू फिक्शन में स्त्री विमर्श की यात्रा को रेखांकित करते हुए कहा कि उर्दू साहित्य ने नारी को हर दौर में सजग आत्मनिर्भर और संघर्षशील रूप में प्रस्तुत किया है। इसके बाद शायरात मुशायरे में शायरी की लहर ने पूरे परिसर को अपनी गिरफ्त में ले लिया। वो कश्तियां जिन्हें मौजों का डर नहीं होता, नदी खुद उनको किनारे उतार देती है। मुशायरे की ऐसी पंक्तियों पर श्रोताओं की तालियां देर तक बजती रही, जिसमें मलका नसीम, हिना हैदर, रिज़वी क़मर, मणिका दुबे, पूनम मीरा, परवीन सबा, गौसिया सबीन, अपर्णा पात्रिकर और खुशबू श्रीवास्तव ने अपने कलाम से शाम को यादगार बना दिया। अगले सत्र में उर्दू के साथ मेरी यात्रा विषय पर आयोजित संवाद में रंगमंच और सिनेमा के वरिष्ठ कलाकार संजय मेहता, राजीव वर्मा और रीता वर्मा ने अपने अनुभव साझा किए और उर्दू भाषा से जुड़े स्मरणीय क्षणों को जीवंत किया। इस अवसर पर उर्दू सेवी संस्थाओं का सम्मान भी किया गया।

ख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुजरात के वडोदरा में महंत स्वामी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

मालवा में सरकार ने बढ़ाया पहला चरण

श्रीकृष्ण पाथेय के लिए स्थल चिह्नित करना शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राज्य सरकार ने श्रीकृष्ण पाथेय बनाने के लिए स्थल चिह्नित करने का काम प्रारंभ कर दिया है। पहले भोपाल-श्रीराम वन गमन पथ से जुड़े स्थलों को चिह्नित करने में लगी राज्य सरकार ने श्रीकृष्ण पाथेय बनाने के लिए स्थल चिह्नित करने का काम प्रारंभ कर दिया है। पहले चरण में मालवा में भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े स्थलों की पहचान की गई है। इसमें उज्जैन के सांदीपनि आश्रम के अतिरिक्त इंदौर जिले में स्थित परशुराम की जन्मस्थली जानापाव और धार में आमझेरा सहित अन्य स्थल शामिल हैं।

सांदीपनि आश्रम को केंद्र बनाकर प्रदेश भर में पाथेय विकसित किया जाएगा। यह भगवान कृष्ण से जुड़े स्थलों, संस्कृति, विचार और विरासत से जोड़ने वाला पथ होगा। श्रीकृष्ण की लीलाओं, जीवन मूल्य, दर्शन, ज्ञान, उपदेश और संदेशों को देश-दुनिया में पहुंचाया जाएगा। दुबई सहित अन्य देशों में सांस्कृतिक आयोजन होंगे। कृष्ण पाथेय के लिए स्थलों के चयन हेतु गठित 12 सदस्यीय विशेषज्ञ समिति द्वारा मालवा क्षेत्र में यह सर्वे किया गया है। समिति अलग-अलग चरणों में प्रदेश भर में भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े स्थलों को चिह्नित करेगी। इसके अंतर्गत धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थानों को पाथेय में शामिल किया जाएगा।

राजस्थान सरकार के साथ मिलकर बनाया जाएगा धार्मिक सर्किट

श्रीकृष्ण पाथेय विकसित करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के बीच दो दौर की बैठक हो चुकी है। इसमें यह तय किया गया है कि दोनों सरकारें एक दूसरे को कृष्ण पाथेय विकसित करने में सहयोग करेंगी। बता दें कि भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े अधिकतर स्थल राजस्थान में हैं, इसलिए ऐसी योजना है कि दोनों राज्यों के प्रमुख स्थलों को जोड़ने वाला टूरिस्ट सर्किट बनाया जाए।

कृषि वर्ष आयोजन के लिए सरकार ने तय की रूपरेखा, सीएम मोहन बोले-

किसानों की आय बढ़ाना ही सरकार का ध्येय तकनीक के उपयोग पर किया जाएगा फोकस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों की आय में हर तरीके से वृद्धि करना ही हमारा मूल लक्ष्य है और यह उनकी फसल का उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने से ही संभव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश के एक करोड़ से अधिक किसानों के हित में समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश के समावेशी मॉडल/थीम पर हम वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष कृषि वर्ष के रूप में मना रहे हैं। इस दौरान कृषि उत्पादों का मजबूत विपणन तंत्र स्थापित किया जाएगा, साथ ही खाद्य प्रसंस्करण को भी बढ़ावा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को उच्च उत्पादकता वाली फसल किस्मों/बीजों का वितरण, डिजिटलीकृत एवं नवीन कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा, प्राकृतिक एवं जैविक खेती को प्रोत्साहन, कृषि स्टार्टअप एवं एफपीओ जैसी कृषि आधारित रोजगार श्रृंखला को बढ़ावा, कृषि से संबद्ध सभी क्षेत्रों को एकीकृत करते हुए जिला-आधारित क्लस्टर्स का विकास तथा खेती-किसानी में फसल चक्रमें बदलाव विविधीकरण को प्रोत्साहन देना कृषि वर्ष के प्रमुख लक्ष्य तय किए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गत दिवस किसान कल्याण वर्ष-2026 के आयोजन की रूपरेखा के संबंध में हुई बैठक में यह जानकारी दी।

जिलों में आयोजित की जाएगी कृषि कैबिनेट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों का कल्याण हमारे लिए एक मिशन है। इनके समग्रहित में इसके लिए कृषि वर्ष के दौरान प्रदेश के अलग-अलग जिलों में कृषि केबिनेट भी की जाएगी। कृषि केबिनेट की शुरूआत निमाड़ अंचल से की जाएगी। किसान हित के सभी जरूरी निर्णय फील्ड में होने वाली कृषि केबिनेट में ही लिए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि खेती-किसानी से पर्यावरण में भी व्यापक सुधार आता है। उन्होंने कहा कि निमाड़ क्षेत्र में खेती-किसानी से बढ़ते लाभ और दिनों-दिन सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से दूसरे किसान भी खेती की तरफ बढ़े हैं। इससे निमाड़ अंचल में चारों तरफ हरियाली ही हरियाली है और इस हरियाली का सबसे बड़ा लाभ यह हुआ है कि पूरे निमाड़ अंचल का तापमान पहले से चार डिग्री कम हो गया है।

पैक्स समितियों के जरिए किसानों को दिलाएंगे अधिकतम सुविधाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि वर्ष के दौरान किसानों को अधिकतम सेवाएं और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। वर्ष के दौरान राजस्व विभाग द्वारा ऐसे किसान, जो किसी वजह से अबतक केसीसी धारक नहीं हैं, उनकी सूची निकटतम प्राथमिक सहकारी साख समितियों पैक्स को उपलब्ध कराई जाएगी। पैक्स समितियां किसानों से सम्पर्क कर पात्र किसानों से तय प्रारूप में आवेदन लेंगी और बैंक स्तर पर केसीसी मंजूर कराने की कार्यवाही भी करेंगी। मंजूरी वाले प्रकरणों को एकत्रित कर कैम्प लगाकर किसानों को केसीसी वितरित किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में प्रदेश में 4500 से अधिक पैक्स समितियां कार्यरत हैं और करीब 23 लाख से अधिक किसान इन पैक्स समितियों से सीधे तौर पर जुड़े हुए हैं।

भोपाल में होगा आम महोत्सव

किसान कल्याण वर्ष आयोजन की रूपरेखा को अंतिम रूप देने के संबंध में हुई इस बैठक में बताया गया कि आगामी मई माह में भोपाल में आम महोत्सव आयोजित किया जाएगा। महोत्सव में आम उत्पादकों, व्यापारियों, निर्यातकों और विशेषज्ञों की सहभागिता होगी। महोत्सव के दौरान आम की खेती से संबंधित नई तकनीक पर मार्गदर्शन और प्रेजेन्टेशन दिया जाएगा। मप्र सहकारी दुग्ध महासंघ एमपीसीडीएफ द्वारा भोपाल में तैयार की जा रही राज्यस्तरीय केन्द्रीय गुणवत्ता प्रयोगशाला का लोकार्पण भी कृषि वर्ष के दौरान किया जाएगा। लगभग 12.65 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित हो रही इस बड़ी प्रयोगशाला की सुविधा मिल जाने से पेस्टीसाइड, रसायन, भारी खनिज, वेजीटेबल आइल, शर्करा तथा दुग्ध उत्पादों और दूध में मिलावट की गहन जांच अब स्थानीय स्तर पर ही संभव होगी।

सितम्बर में बालाघाट में होगा सिंघाड़ा एवं मखाना महोत्सव

किसान कल्याण वर्ष में सितम्बर के संभवत- पहले सप्ताह में बालाघाट जिले में सिंघाड़ा एवं मखाना महोत्सव आयोजित किया जाएगा। महोत्सव में सिंघाड़ा उत्पादकों, व्यापारियों, निर्यातकों एवं फसल विशेषज्ञों द्वारा सहभागिता की जाएगी। सिंघाड़ा और मखाना कैश क्राप की तरह हैं। इनका सेवन स्वाथ्यवर्धक होता है। यह महिलाओं के लिए विशेष रूप से लाभकारी है। क्षेत्रीय किसानों को सिंघाड़े और मखाने की खेती से जोड़ने के लिए महोत्सव में किसानों के बीच इनकी खेती से मिलने वाले लाभों से जुड़ी जानकारियों का वृहद स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

नरसिंहपुर में होगा गन्ना महोत्सव

कृषि वर्ष में नवम्बर के संभवत: पहले सप्ताह में ही नरसिंहपुर जिले में राज्यस्तरीय किसान सम्मेलन सह गन्ना महोत्सव आयोजित किया जाएगा। महोत्सव में शक्कर कारखाना मालिक, गन्ना उत्पादक किसान सहित निर्यातक एवं विशेषज्ञ भी विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। इससे गन्ने की आधुनिक तरीके से खेती के बारे में बताया जाएगा। साथ ही गन्ने की फसल के लिए ड्रिप सिंचाई की सुविधा मांगकर्ता किसानों को यह सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। सरकार का लक्ष्य है कि कृषि वर्ष के दौरान गन्ने की फसल की जोत/रकबा पांच हजार हेक्टेयर तक पहुंचाया जाए।

कृषि वैज्ञानिकों की 6 माह में 12 हड़ताल

मप्र के 60 लाख किसानों को नहीं मिल रही सलाह

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र के करीब 60 लाख किसान, जो कृषि वैज्ञानिकों से सीधे फसल, मौसम और कीट नियंत्रण की सलाह लेते थे, अब बिना मार्गदर्शन के खेती करने को मजबूर हैं। वजह यह है कि कृषि विश्वविद्यालयों और कृषि विज्ञान केंद्रों में काम कर रहे करीब एक लाख वैज्ञानिक और स्टाफ पिछले छह महीने से वेतन नहीं मिलने के कारण 12 बार हड़ताल कर चुके हैं। इससे इन केंद्रों पर कामकाज ठप होने की स्थिति है। मप्र में ही इनकी संख्या लगभग 10 हजार है।

इसका असर सिर्फ कर्मचारियों तक सीमित नहीं है, बल्कि किसानों तक नई किस्म के बीज, उन्नत खाद और आधुनिक खेती तकनीकों की जानकारी नहीं पहुंच पा रही है। इससे खेती की पैदावार पर असर पड़ रहा है और कीटों से बचाव के उपाय भी किसानों को नहीं मिल पा रहे। देशभर में कृषि वैज्ञानिकों ने कृषि विज्ञान केंद्रों में काम ठप कर दिया है।

विवि के 44 विज्ञान केंद्र भी प्रभावित: देश भर की 731 स्टेट एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में से 487 में कामकाज ठप पड़ गया है। वजह यह है कि इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च (आईसीएआर) ने 2023 से इन यूनिवर्सिटी का खर्च उठाने से मना कर दिया है। मप्र में जवाहरलाल नेहरू कृषि विवि और राजमाता कृषि विवि ग्वालियर तथा इनके अंतर्गत आने वाले 44 कृषि विज्ञान केंद्रों में वैज्ञानिक और स्टाफ को सितंबर से वेतन नहीं मिला है।

शुल्क कानून की अनदेखी करने वाले निजी स्कूलों पर सख्ती

भोपाल के 150 स्कूलों ने अब तक नहीं दी है जानकारी

प्राइवेट स्कूलों को 15 फरवरी तक फीस और किताबों की देनी होगी जानकारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राज्य सरकार ने शुल्क अधिनियम 2020 को लागू किया था ताकि निजी स्कूल मनमाने तरीके से शुल्क न बढ़ा सकें और अभिभावकों का शोषण न हो। इस अधिनियम के तहत सत्र शुरू होने से पहले स्कूलों को फीस संरचना, किताबों की सूची सहित अन्य जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर देनी होती है,लेकिन निजी स्कूल का इसका पालन नहीं कर रहे हैं।

अब स्कूल शिक्षा विभाग ऐसे स्कूलों पर सख्ती की तैयारी कर रहा है।

स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा में पाया गया कि भोपाल में ही करीब 150 निजी स्कूलों ने अब तक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय या निर्धारित ऑनलाइन पोर्टल पर फीस संरचना और पाठ्य-पुस्तकों की सूची जमा नहीं की है।

अब मार्च से स्कूलों का नया सत्र शुरू होने वाला है। इस कारण विभाग ने संबंधित निजी स्कूलों को 15 फरवरी तक की अंतिम समय-सीमा दी है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि तय तिथि तक जानकारी उपलब्ध नहीं कराने वाले स्कूलों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। ऐसे स्कूलों पर जुर्माना, नोटिस और अन्य प्रशासनिक कार्रवाई की जा सकती है।

तीन साल तक नहीं बदल सकेंगे यूनिफार्म

निर्देशों में कहा गया है कि निजी स्कूल तीन वर्षों तक स्कूल गणवेश में कोई बदलाव नहीं कर सकेंगे। इसके साथ ही किताबों और गणवेश पर स्कूल का नाम अंकित करना प्रतिबंधित रहेगा, ताकि अभिभावकों को किसी विशेष दुकान से सामग्री खरीदने के लिए मजबूर न किया जा सके। शिक्षा विभाग ने चेतावनी दी है कि यदि किसी एक तय दुकान से स्कूल की किताबें या गणवेश बिकते पाए गए, तो संबंधित दुकान का लाइसेंस निरस्त कर दिया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के विभिन्न विषयों की समीक्षा की।

नर्मदा परिक्रमा पथ के आश्रय स्थलों पर होगा वृहद वृक्षारोपण

राज्य स्तरीय कार्यकारिणी समिति की बैठक सम्पन्न

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने नर्मदा परिक्रमा पथ पर श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए आश्रय स्थलों पर व्यापक वृक्षारोपण करने के निर्देश दिये है। पटेल सोमवार को जीवनदायिनी माँ नर्मदा के जल को निर्मल बनाए रखने, उनके प्रवाह को अविरल सुनिश्चित करने तथा नर्मदा से जुड़े समग्र विकास कार्यों के संबंध में राज्य स्तरीय कार्यकारिणी समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में सर्वछोटे सिंह, दिनेश जैन, श्रीमती हर्षिका सिंह, अविप्रसाद एवं दीपक आर्य उपस्थित थे। मंत्री पटेल ने अधिकारियों को परिक्रमा पथ पर प्रस्तावित पुल, पुलिया एवं ब्रिज के सर्वेक्षण कार्य शीघ्र पूर्ण कर सुनियोजित कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिये। बैठक में विधानसभा से संबंधित लंबित प्रकरणों की विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा की गई। मंत्री पटेल ने सभी लंबित प्रकरणों के त्वरित एवं प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि जनहित से जुड़े विषयों का शीघ्र समाधान हो सके। बैठक में माँ नर्मदा के संरक्षण एवं विकास को जनभागीदारी से जोड़ने तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया गया।

मेट्रो एंकर सेंधवा की स्वच्छता यात्रा: जल स्त्रोतों पर बढ़ता दबाव बन रहा था विकास में बाधा

जर्मन सहयोग से बदली नगरीय जीवन की तस्वीर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एक समय था जब सेंधवा नगर में सीवरेज की समुचित व्यवस्था का अभाव जनस्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए चुनौती बना हुआ था। बढ़ती जनसंख्या, अनियोजित अपशिष्ट निस्तारण और जल स्त्रोतों पर बढ़ता दबाव नगर के सतत विकास में बाधा बन रहे थे। ऐसे समय में जर्मन विकास बैंक केएफडब्ल्यू के सहयोग से शुरू की गई सेंधवा सीवरेज परियोजना ने नगर की तस्वीर ही बदल दी।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी (एमपीयूडीसी) द्वारा क्रियान्वित यह परियोजना आज नगरीय स्वच्छता और आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण की एक सफल मिसाल बन चुकी है।

एमपीयूडीसी के प्रबंध संचालक श्री संकेत भोंडवे ने बताया कि सेंधवा नगर की वर्तमान जनसंख्या लगभग 66 हजार है, लेकिन परियोजना की योजना वर्ष 2047 में अनुमानित 90,300 जनसंख्या की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बनाई गई।उन्होंने कहा कि ÷हमारा उद्देश्य केवल वर्तमान समस्या का समाधान नहीं था, बल्कि आने वाले दशकों के लिए एक टिकाऊ और वैज्ञानिक सीवरेज व्यवस्था विकसित करना था, जो जनस्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों की रक्षा कर सके।÷ लगभग 18 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले सेंधवा नगर में 90.55 किलोमीटर लंबा सीवर नेटवर्क बिछाया गया। 66.26 करोड़ रुपये की निर्माण लागत और 80.99 करोड़ रुपये (संचालन-संधारण सहित) की कुल लागत वाली इस परियोजना के तहत 8.50 एमएलडी क्षमता का अत्याधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया गया है, जो एसबीआर तकनीक पर आधारित है और अपशिष्ट जल का प्रभावी उपचार सुनिश्चित करता है। इसके अतिरिक्त, परियोजना में 7.60 एमएलडी क्षमता का इंटरमीडिएट पंपिंग स्टेशन और 0.428 एमएलडी क्षमता का लिफ्टिंग पंपिंग स्टेशन भी शामिल है, जिससे सीवरेज प्रणाली सुचारु रूप से संचालित हो रही है।

नागरिकों से सीधा जुड़ाव

सफलता का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है – नागरिकों तक सीधी पहुंच। परियोजना के माध्यम से 12,346 घरों को सीवरेज कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। इसके लिए 3,943 हाउस चेंबर और 3,338 मैनहोल का निर्माण किया गया, जिससे नगर का एक बड़ा हिस्सा सुरक्षित सीवरेज व्यवस्था से जुड़ सका। प्रबंध संचालक श्री संकेत भोंडवे ने बताया कि सेंधवा सीवरेज परियोजना केवल पाइपलाइन और प्लांट तक सीमित नहीं है। यह लोगों के बेहतर स्वास्थ्य, स्वच्छ पर्यावरण और सम्मानजनक नगरीय जीवन की दिशा में एक ठोस कदम है। इस परियोजना के परिणामस्वरूप खुले नालों में बहने वाले गंदे पानी में कमी आई है, जल स्रोत सुरक्षित हुए हैं और स्वच्छता के प्रति नागरिकों में जागरूकता बढ़ी है। इससे शहर की जीवन गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिल रहा है।

कंटेंट की गुणवत्ता का सवाल

बजट में कंटेंट क्रिएटर्स को दिया गया प्रोत्साहन निश्चय ही सराहनीय है और यह उम्मीद की जानी चाहिए कि इससे भारत की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा पर्यटन संपत्तियों के डिजिटल डॉक्युमेंटेशन में मदद मिलेगी। पंद्रह हजार सेकेंडरी स्कूलों तथा पांच सौ महाविद्यालयों में कंटेंट क्रिएटर लैब्स भी स्थापित किए जाने हैं। निश्चय ही इससे कंटेंट की गुणवत्ता बढ़ेगी। हाल के वर्षों में कंटेंट क्रिएशन ने आमदनी के नए स्रोत खोले हैं और युवाओं को इसका लाभ भी मिला है। मगर एक गंभीर सवाल है कि कंटेंट की गुणवत्ता क्या है? निश्चित रूप से बेहतरीन गुणवत्ता वाले और जानकारियों से भरपूर कंटेंट तैयार हो रहे हैं मगर एक बड़ा वर्ग ऐसा है जिसने ज्यादा व्यूज के लालच में ऐसे कंटेंट तैयार करना प्रारंभ कर दिया जिसे आप शाब्दिक पोर्नोग्राफी कह सकते हैं। गालियों के इस्तेमाल और चुटकुलों की तो बात ही छोड़ दीजिए बहुत सारे कंटेंट यौन प्रवृत्ति के इर्द-गिर्द घूम रहे हैं और दुर्भाग्य-जनक पक्ष यह है कि ऐसे कंटेंट को हजारों-लाखों व्यूज भी मिल रहे हैं। इसलिए यह बहुत जरूरी है कि इस तरह के गंदे कंटेंट पर किसी न किसी तरह काबू पाया जाए! सवाल है कि कैसे काबू पाएंगे? जिन सोशल प्लेटफार्म पर ये कंटेंट रहते हैं, वो प्लेटफॉर्म किसी की बात ही कहां सुनते हैं। वे तो इतने बड़े हो चुके हैं कि दुनिया की कई सरकारों को भी चुनौती देते नजर आते हैं। क्या कोई सरकार आज हिम्मत कर सकती है कि वह ऐसे प्लेटफॉर्म की स्क्रीनिंग कर सके? यदि सरकार कोशिश भी करना चाहे तो इसे बंदिश के रूप में प्रचारित किया जाता है। कहा जाता है कि सरकार अपनी आलोचना बर्दाश्त नहीं करना चाहती इसलिए बंदिश लगाना चाह रही है। इस तरह गंदे कंटेंट को भी एक आड़ मिल जाती है। ऐसे में सरकार के लिए यह बड़ी चुनौती है। मगर इस चुनौती को स्वीकार करना ही पड़ेगा ताकि सोशल प्लेटफार्म पर गंदगी को रोका जा सके। कंटेंट ऐसा होना चाहिए जो जानकारी और ज्ञान को बढ़ा सके। चुटकुले वाले कंटेंट में भी कोई आपत्ति नहीं है लेकिन जब कोई कंटेंट परोसने वाला स्त्री-पुरुष संबंधों की प्रक्रिया को लेकर अभद्र भाषा में बात करता है तो उसे क्रिएटर तो कतई नहीं कहा जा सकता है। आज रील्स की दुनिया ऐसी ही गंदगी से भरी पड़ी है। इस पर हमें अंकुश लगाना ही होगा।

देश के लिए आर्थिक विकास की नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा केन्द्रीय बजट

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्य प्रदेश

भारत विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त और दूरदर्शी नेतृत्व में हम विकसित भारत का मिशन लेकर आगे बढ़ रहे हैं। केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट 2026-27 मध्यप्रदेश के लिए आर्थिक विकास की नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा, उद्योगों को सरल प्रक्रियाएँ, निवेशकों को भरोसेमंद वातावरण, युवाओं को रोजगार के अवसर, महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण, एमएसएमई सेक्टर को संस्थागत समर्थन और नागरिकों को बेहतर सेवाएँ प्राप्त होंगी।

आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की जो नींव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रखी गई है उसे वर्ष 2026-27 के बजट ने और ज्यादा मजबूत किया है। भारत की अर्थव्यवस्था अब तेजी से नई ऊंचाइयों को छूने के लिए तत्पर है। युवा शक्ति, नारी शक्ति, किसान शक्ति और उदयमिता के सहयोग से भारत ने आगे बढ़ने जो संकल्प लिया है वह कई अर्थों में अदभुत है। आज जब भारत औदयोगिक निवेश और निर्माण क्षेत्र का हब बनने जा रहा है, उसमें मध्यप्रदेश भी अपनी पूरी शक्ति के साथ योगदान देने के लिए तैयार है। हमने औदयोगिक निवेश के लिये अनूकूल वातावरण तैयार किया, जिससे निरंतर निवेश आ रहा है। नये बजट से पूरे इको-सिस्टम को नई ऊर्जा मिली है। बजट में हरित अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने पर पूरा ध्यान केन्द्रित किया गया है। इससे मध्यप्रदेश को दीर्घकालिक लाभ होने वाला है। कृषक कल्याण और कृषि विकास को मिशन के रूप में आगे बढ़ाने का संकल्प भी लिया गया है।

इसी प्रकार सेमीकंडक्टर मिशन 2.0, इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट, मैन्युफैक्चरिंग और एआई आधारित तकनीक के विकास पर बजट में ध्यान केन्द्रित किया गया है। इन तीनों क्षेत्रों में मध्यप्रदेश को हाई-टेक उद्योग, डिजिटल निवेश और नवाचार आधारित उद्यमिता को प्रोत्साहन मिलेगा। इन क्षेत्रों के लिये नीतियां बनाने का काम पूरा कर लिया है। निवेश आकर्षित करने के प्रयास निरंतर जारी हैं।

केन्द्रीय बजट गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति को आत्मनिर्भर बनाने के लिए समर्पित है। यह सर्वव्यापी, सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी बजट है। जिस प्रकार मध्यप्रदेश में तेजी से शिक्षा का आधुनिकीकरण हो रहा है, नया बजट युवाओं के कौशल विकास और रोज़गार के लिए व्यापक अवसर लेकर आया है। शिक्षा से रोजगार एवं उदयम स्थायी समिति का गठन और 15 हजार माध्यमिक विदयालयों एवं 500 महाविदयालयों में एपीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब की स्थापना रचनात्मकता को बढ़ावा देगी। पर्यटन क्षेत्र में आईआईएम के सहयोग से 10 हजार गाइड्स के कौशल उन्नयन और खेलो इंडिया मिशन के माध्यम से अगले दशक में खेलों के परिदृश्य में बदलाव लाने का लक्ष्य युवाओं को नई दिशा देगा। महिलाओं के लिये एमएसएमई ग्रोथ फंड के लिए 10 हजार करोड़ रूपये का आवंटन लाभदायी होगा। युवा भारत के लिये सेवा क्षेत्र का विस्तार संभावनाओं के नये द्वार खोलेगा और रोज़गार और उदयम के अवसर बढ़ेंगे।

महिला उदयमिता को बढ़ावा देने के लिए लखपति दीदी योजना में महिला उदयमियों को क्रेडिट लिंक आजीविका से उद्य स्वामित्व से जोड़ने में मदद मिलेगी। मध्यप्रदेश ने पहले ही इस दिशा में ठोस प्रयास किये हैं।

सिटी ईकॉनामिक रीजन बनाने की नीति मध्यप्रदेश के शहरी विकास के लिए विशेष रूप से लाभकारी होगी। शहरों को संगठित आर्थिक केंद्रों के रूप में विकसित करने में यह सहायक सिद्ध होगी। शहरी क्षेत्रों में नियोजित आर्थिक विकास, औद्योगिक-व्यावसायिक क्लस्टरिंग और आधुनिक अधोसंरचना का निर्माण होगा। इससे मध्यप्रदेश के प्रमुख शहर संगठित आर्थिक केंद्रों के रूप में विकसित होंगे और निवेश-अनुकूल शहरी अर्थव्यवस्था का निर्माण होगा। यह निवेश मॉडल मध्यप्रदेश के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा और कनेक्टिविटी, लॉजिस्टिक्स तथा व्यापारिक सुगमता को व्यापक रूप से मजबूत बनायेगा।

बजट में सामाजिक समावेश पर पूरा ध्यान दिया गया है। आर्थिक विकास की ये पहल मध्यप्रदेश के लिए अत्यंत लाभकारी होगी। समावेशी विकास के साथ मानव-पूंजी निर्माण को भी मजबूती मिलेगी। शी-मार्ट्स, दिव्यांगजन कौशल योजना, सभी जिलों में गर्ल्स हॉस्टल और शिक्षा-कौशल आधारित पहल से सामाजिक सशक्तिकरण के साथ आर्थिक विकास को समावेशी स्वरूप मिलेगा। इससे मध्यप्रदेश में गुणवत्तापूर्ण मानव-पूंजी का सृजन होगा।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को विकास के केन्द्र में रखते हुए यह बजट प्रशासनिक सरलीकरण, निवेश-अनुकूल नीतियों, संरचनात्मक सुधारों और वित्तीय स्थिरता के माध्यम से मध्यप्रदेश को तेज़ी से उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित करने की ठोस आधारशिला रखता है। मध्यप्रदेश के लिए केंद्रीय बजट 2026-27 केवल एक नीति-दस्तावेज नहीं, बल्कि राज्य के आर्थिक, औद्योगिक और सामाजिक विकास का एक ऐतिहासिक अवसर है, जो मध्यप्रदेश को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में अत्यंत सहायक एवं परिवर्तनकारी भूमिका निभाएगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सामाजिक न्याय के नाम पर दशकों तक पल्लवित -पुष्पित हुआ सामूहिक सैडिज्म

मनोज श्रीवास्तव
लेखक-चिंतक

कभी उस सामूहिक सैडिज्म पर गौर कीजिए जो सामाजिक न्याय के नाम पर देश में इतने दशकों में पल्लवित पुष्पित हुआ है। इसे तत्कथित सवर्णों को झूठे मुकदमों में फँसाने पर कोई पश्चात्ताप नहीं है बल्कि आनंद की, कभी कभी तो आर्गाज्म की अनुभूति होती है।

ये अलग किस्म का retributive justice है। इसे शताब्दियों के अन्यायों की कल्प-कथाओं पर गढ़ा गया है। इसकी उजरत वे भर रहे हैं जिन्हें अपने पूर्वजों के किये अनकिये का इल्म भी नहीं है। कभी उस व्यक्ति के दर्द से भी मिलिए जिसकी कहानी एक साधारण आरोप से शुरू हुई –भाग्य का मजाक या किसी दुष्ट का प्रपंच –जिसने उसकी आज़ादी, परिवार की उम्मीदें छीन लीं, उन्हें अनिश्चितता की जंजीरों में जकड़ दिया जबकि दुनिया आगे बढ़ गई।

एक या दो मामले नहीं हैं। 2023 के आँकड़ों को देखें तो तीन लाख मामले हैं जो अदालतों में लटके हुए हैं। 2021 में लगभग 96% मामलों में यह पेंडेंसी थी। और उसके साथ जेल के अँधेरे गलियारों में सामाजिक न्याय नाम की डोरी पे वे भी लटके हुए हैं जो निर्दोष साबित होने तक दोषी माने जाते हैं, जिन्हें कोई एंटीसिपेटरी बेल नहीं है। कनविक्शन की असफलता दर 65% के लगभग है। 2018 में यह दर 72% थी। लेकिन सामाजिक न्याय की पुरोधा व्यवस्था का conviction है कि यह तो सामाजिक जनतंत्र की आवश्यक लागत है।

व्यवस्था की देरी से फँसे हुए, न्याय-अन्याय की देहरी पर फँसे हुए ये भूले हुए लोग, एक गहरे अन्याय की मिसाल हैं। पर हमारे स्वनामधन्य लोग इसे साक्ष्यों की कमी का नतीजा बताकर उनके घावों पर नमक डालने के लिए आतुर हैं। वे कमजोर माने जा रहे हैं जो बाँह मरोड़कर उच्चतम न्यायालय का आदेश तक पलटा लेते हैं। एक राज्य का ही उदाहरण दूँ तो उसमें एक सर्वेक्षण में 75% मामले झूठे पाए गए और इनमें OBC के विरुद्ध 81% थे। झूठ पर कोई दंड नहीं है। झूठ हद से हद तंत्र की विफलता और सामाजिक पॉवर स्ट्रक्चर के अनुवाद के रूप में ही पढ़े लिखों द्वारा व्याख्यायित होता है। वे उसे अपने तथाकथित सच की नपुंसकता की तरह नहीं देखते। उन्हें कोई ग्लानि नहीं है।

चाहे ज़मीन का विवाद हो या व्यक्तिगत शत्रुता या कारोबारी झगड़ा या राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता सब में यह अस्त्र कारगर है।

सामाजिक अन्याय का निराकरण सामाजिक अन्याय से नहीं होता। एक सर्वे में तीस में से 23 अवसाद के शिकार पाये गये और 8 ने माना कि उन्हें आत्महत्या कर लेने का विचार भी आया।18 को पैनिक अटैक्स भी आये और भारत की क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम पर उनका भरोसा भी टूट गया। कैसी व्यवस्था जो pre-trial libert4 देती ही नहीं। वह जो विश्व की सारी आपराधिक न्याय प्रणाली का अनिवार्य अंग है।

देखिए कि कई परिवार बाहर इंतज़ार करते हैं, हर बेकार मुलाकात से टूटते हुए दिल लेकर। देखिए कि कैसे एक ज़िंदगी की चोरी हो गई है।

एक की या अनेक की? एक क्रिमिनल रिकॉर्ड से उनकी नौकरी जाती रही। एक क्रिमिनल रिकॉर्ड से भविष्य में नौकरी की संभावनाएं प्रश्नचिह्नित हो गयीं।

आप जिन उपकरणों से समाज में न्याय लाने की कोशिश कर रहे हैं उन्हें मुस्कुराते चेहरों की कुछ फीकी पड़ चुकी तस्वीरें थामे हुई हैं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

नेचुरल सप्लीमेंट

होममेड नेचुरल प्रोटीन पाउडर इस्तेमाल करना सबसे अच्छा विकल्प

अपने शरीर को फिट और मजबूत रखने के लिए हम कई जतन करते हैं। इसमें सबसे ज्यादा जरूरी होता है प्रोटीन, जो हमारी मांसपेशियों और विकास के लिए बहुत आवश्यक है। आजकल लोग प्रोटीन की कमी पूरी करने के लिए फल, सब्जियां और ड्राई फ्रूट्स तो खाते ही हैं, लेकिन एक बड़ा वर्ग अब प्रोटीन पाउडर की तरफ भाग रहा है। खासकर माता-पिता अपने बच्चों की सेहत के लिए बाजार में बिकने वाले डिब्बाबंद प्रोटीन पाउडर का इस्तेमाल कर रहे हैं।

मार्केट में मिलने वाले ये पाउडर न सिर्फ जेब पर भारी पड़ते हैं, बल्कि हमें यह भी ठीक से पता नहीं होता कि इनमें असल में क्या-क्या मिलाया गया है। कुछ लोग बॉडी बिल्डिंग के लिए भी इनका इस्तेमाल करते हैं, जो कभी-कभी सेहत को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। लेकिन अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप घर की रसोई में मौजूद चीजों से ही सबसे शुद्ध और असरदार प्रोटीन पाउडर तैयार कर सकते हैं।

डॉक्टर बोले...नेचुरल चीजों पर बढ़ाएं भरोसा: आयास आयुर्वेदिक चिकित्सालय के बी.ए.एम.एस, एम.डी डॉक्टर हर्ष के अनुसार बाजार में अलग-अलग कंपनियों के प्रोटीन पाउडर बच्चों की अच्छी सेहत के बड़े-बड़े दावे करते हैं। हालांकि खाद्य विभाग इन पर नजर भी रखता है, लेकिन फिर भी हम उनकी क्वालिटी और उनमें इस्तेमाल होने वाली चीजों को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं हो सकते।

डॉक्टर हर्ष का कहना है कि जनता को अपनी और अपने बच्चों की सेहत के साथ खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। बाजार के पाउडर बंद करके घर पर बना हुआ 'होममेड नेचुरल प्रोटीन पाउडर' इस्तेमाल करना सबसे बेहतर विकल्प है। यह न केवल सुरक्षित है बल्कि शरीर को अंदरूनी ताकत भी देता है।

प्रोटीन पाउडर का आसान फार्मूला: घर पर प्रोटीन पाउडर बनाना बहुत ही सरल है। इससे बच्चों की सेहत और शारीरिक विकास में जबरदस्त फायदा मिलता है। डॉक्टर हर्ष ने आधा किलो प्रोटीन पाउडर तैयार करने के लिए एक खास अनुपात बताया है जिससे आपका प्रोटीन पाउडर एकदम परफेक्ट बनेगा।

पाउडर बनाने के लिए जो सामग्री चाहिए वह है – मखानेः 100 ग्राम, रागीः 100 ग्राम, देसी खांडः 100 ग्राम (मिठास के लिए),कोको पाउडरः 80 ग्राम (स्वाद के लिए),काजू, बादाम और अखरोटः 20-20 ग्राम प्रत्येक, इलायची पाउडरः 20 ग्राम,अलसी के बीजः 10 ग्राम, कद्दू के बीजः 10 ग्राम।

इन सभी चीजों को हल्का सा भून लें (ताकि नमी निकल जाए) और फिर मिक्सी में पीसकर बारीक पाउडर बना लें। डॉक्टर हर्ष के अनुसार, यह पाउडर बच्चों की पूरी सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद है। खास बात यह है कि इसे आप हर मौसम में इस्तेमाल कर सकते हैं।

सर्दियों के मौसम में आप चाहें तो ड्राई फ्रूट्स (काजू, बादाम, अखरोट) की मात्रा थोड़ी बढ़ा सकते हैं, क्योंकि इनकी तासीर गर्म होती है। वहीं गर्मियों में इनकी मात्रा को थोड़ा कम रखा जा सकता है। इस नेचुरल पाउडर से न सिर्फ पैसे बचेंगे, बल्कि आपके परिवार को केमिकल मुक्त शुद्ध पोषण भी मिलेगा।

निशाना

वर्तमान बचाकर प्रकृति का, तू भविष्य निर्माण कर

सुखेन्द्र दशरथ साहू

जिस दिन से स्वच्छ होगा, मन का आवरण
उसी पल से बदलेगा, हमारा पर्यावरण,
नदी, तालाब, जलस्रोतों को चले मां मानकर
प्रकृति को हमेशा, पिता परमेश्वर जानकर,
दूषित हो नदियां ,ऐसा काम न नादान कर
प्लास्टिक कचरा ,दूर हो ,ऐसी सेवा दान कर,
प्रकृति हमसे नहीं ,हम प्रकृति से तू ऐसा ध्यान कर,
यहां जन्म लिया प्रभु ने ,उनका भी गुणगान कर,
अधिक से अधिक पेड़ लगाएं
ऐसा कुछ संकल्प कर, वायु ,जल, मृदा
प्रदूषित न हो ,कुछ ऐसा प्रबंध कर,
बिजली ,पानी की बचत हो, सौर,
पवन उर्जा का उपयोग कर
कम एवं पुनः उपयोग पुनर्चक्रण
का अनिवार्य पालन कर,
अन्न ,जल ,फल, हीरे ,मोती
अनमोल रत्न देती है,
न उजाड़ धरती को, तुझसे एक मोल न लेती है
बसे हुए जंगल न कटे ,ऐसा कुछ प्लान कर
वर्तमान बचाकर प्रकृति का, तू भविष्य निर्माण कर।

न्यू गैजेट

एपल भी लाएगा फोल्डिंग फीचर वाला फोन सैमसंग के मार्केट में लग सकती है सेंध

एपल का फोल्ड होने वाला आईफोन सैमसंग की टेंशन बढ़ा सकता है। दरअसल अभी तक खबर थी कि एपल सिर्फ बुक स्टाइल फोल्डिंग फोन ही लॉन्च करने वाला है। हालांकि अब रिपोर्ट्स से पता चला है कि Apple सैमसंग के फ्लिप स्टाइल फोन जैसा फोन भी पेश कर सकता है। कहा जा रहा है कि वह दो तरह के फोल्डिंग फोन ला सकता है। इस खास फोल्डिंग फोन का मुकाबला सीधे सैमसंग की Z Flip सीरीज से होगा।

अभी तक खबरें सिर्फ Apple के फोल्डिंग फोन को लेकर मिल रहीं थीं और उसका स्टाइल सैमसंग के स्टैंडर्ड फोल्डिंग फोन से अलग होने वाला था। ऐसे में सैमसंग Apple के फोल्डिंग iPhone को लेकर चिंतित नहीं था। हालांकि फ्लिप स्टाइल में आने वाले iphone की खबरें सैमसंग की टेंशन बढ़ा सकती हैं। दसअसल क्लैमशेल डिजाइन के साथ आने वाला यह iPhone सैमसंग की Z Flip सीरीज को सीधी टक्कर देगा। रिपोर्ट में बताया गया है कि ऐपल अपने फोल्डिंग फोन को लेकर काफी आश्वस्त है और उन्हें पूरी उम्मीद है कि आने वाले समय में फोल्डिंग आईफोन की डिमांड काफी बढ़ेगी।

फोल्डिंग iPhone को लेकर खबर थी कि वह बाकी के फोल्डिंग स्मार्टफोन्स से छोटा होगा लेकिन फ्लिप स्टाइल iPhone को लेकर आ रही खबरों की मानें, तो यह दूसरे फ्लिप स्टाइल फोन जैसा ही होगा। फिलहाल Apple के फ्लिप फोन को लेकर खबर है कि यह दिखने में काफी हद तक Galaxy Z Flip 7 जैसा दिखेगा। बता दें कि Galaxy Z Flip 7 में 4.1 इंच की आउटर और 6.9 इंच की इनर डिस्प्ले दी गई थी। ऐसा ही कुछ हमें फ्लिप होने वाले iphone के साथ भी देखने को मिल सकता है। ऐसे में फ्लिप स्टाइल iPhone फोल्ड होने पर छोटा और अनफोल्ड होने पर नॉर्मल iPhone की तरह दिखेगा। इसकी लॉन्च डेट को लेकर अभी कुछ भी कह पाना जल्दबाजी होगी। हालांकि Flip iPhone को लेकर कंपनी की ओर से कोई जानकारी सामने नहीं आई है फिर भी रिपोर्ट्स का दावा है कि Flip iPhone की कीमत फोल्डिंग iPhone से कम रह सकती है। वहीं फोल्डिंग iphone की कीमत लगभग 2,400 डॉलर रहने की उम्मीद है।

टेक्नो अपडेट

AI की दुनिया में मेड इन इंडिया का शंखनाद सरकार ने लॉन्च किया IAIRO मिशन

रणनीति के स्तर से आगे बढ़ते हुए, भारत ने अब मेड इन इंडिया AI को हकीकत में बदलने के लिए IAIRO की शुरुआत कर दी है। इस संस्था का काम विदेशी एआई पर निर्भरता को कम करना और AI के मामले में भारत को संप्रभु बनाना होगा। सरकार की कोशिश है कि IAIRO को AI के क्षेत्र में वैसा ही स्थान मिले जैसा कि ISRO को स्पेस के क्षेत्र में मिला है।

AI यानी कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की ग्लोबल रेस में भारत ने एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। दरअसल सरकार ने IAIRO की शुरूआत की है, जिसका मतलब Indian AI Research Organisation है। यह AI के मामले में भारत की संप्रभुता को संभालने वाली संस्था होगी। अभी तक भारत अपनी AI की रणनीति पर काम कर रहा था लेकिन IAIRO की शुरुआत के साथ ही हमने एग्जीक्यूशन के लेवल पर आगे बढ़ने की पहल कर दी है। इस संस्था का मकसद विदेशी AI पर निर्भरता को कम करके 'मेड इन इंडिया' एआई सिस्टम विकसित करना होगा। यह संस्था भारत की जरूरतों और डेटा से जुड़ी सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखेगी।

क्या है IAIRO और यह क्यों है खास?: IAIRO को AI के क्षेत्र में भारत को लीड करने के लिए बनाया गया है। इसके संस्थापक निदेशक डॉ. अमित शेठ के अनुसार, यह संगठन रिसर्च को ऐसे सिस्टम में बदलेगा जिसे कि देश में लागू किया जा सके। इसकी खास बात है कि IAIRO चैटजीपीटी जैसे बड़े और कॉमन एआई मॉडल पर ध्यान लगाने की जगह डोमेन आधारित और छोटे एआई मॉडल पर फोक्स करेगा।

ISRO जैसा मिले मुकाम: सरकार चाहती है कि IAIRO, AI के क्षेत्र का ISRO बने। इस मिशन को सफल बनाने के लिए दुनिया भर के सबसे तेज दिमाग साथ आए हैं।

इसकी टीम और सलाहकार बोर्ड में Google, OpenAI, Apple, Amazon और IBM जैसे वैश्विक दिग्गजों के पूर्व तकनीकी लीडर्स शामिल हैं। साथ ही, इसमें पद्म भूषण डॉ. अजय चौधरी और आईआईटी गांधीनगर के निदेशक जैसे भारतीय विशेषज्ञ भी शामिल हैं। यह संगठन सिर्फ रिसर्च करने का काम ही नहीं करेगा, बल्कि ढ्ढ को देशभर में लागू करने समते वर्ल्ड क्लास एआई टैलेंट को देश में ही बनाए रखने और संवारने का काम भी करेगा।

AI में आत्म निर्भरता: IAIRO का काम इस बात का ध्यान रखना होगा कि भारत का डेटा और एआई का भविष्य भारतीय संस्थानों के नियंत्रण में रहे। डॉ. अमित शेठ की मानें, तो एआई अब सिर्फ टेक्नोलॉजी की बात नहीं रही है बल्कि यह अब राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक मुकाबले का मुद्दा भी बन गया है। इस मिशन की वजह से भारत AI की दौड़ में सिर्फ एक हिस्सेदार बनकर नहीं रहेगा बल्कि अपनी किस्तम खुद लिखने वाले एक लीडर के तौर पर खुद को स्थापित कर सकेगा।

न्यूज विंडो

शिविर में नेत्र मरीजों की जांचकर वितरित की दवाइयां और चश्में

गंजबासौदा। ग्राम लखाखेड़ी में सदगुरुदेव ट्रस्ट आनंदपुर के नेत्र चिकित्सक डॉ सौरभ शर्मा, रणवीर सिंह बघेल, रवि धाकड़, जीतेन्द्र जादौन, पारस रोहले ,बनवारी धाकड़ ने 252 मरीजों के नेत्र परीक्षण कर उन्हें निशुल्क दवाई वितरित की। 27लोगों के चस्मा के नंबर निकाल कर दिए। वहीं 9 लोगों को चश्मे वितरित किये उपरोक्त जानकारी शिविर सहयोगी एवम वरिष्ठ समाजसेवी सुनील बाबू पिंगले ने दी उन्होंने बताया की उपरोक्त शिविर सरदार सिंह लोधी एवम उनके पुत्र भारत सिंह, खूबसिंह, दिनेश सिंह त्रिवेश सिंह लोधी द्वारा स्वर्गीय जगन्नाथ सिंह माताजी श्रीमती खुमान बाई कस्तूरी बाई एवम स्वर्गीय श्रीमती काशी बाई लोधी एवम स्वर्गीय श्री किशोर सिंह लोधी की पुण्य स्मृति में लगाया गया इस शिविर में वेद्य ओमप्रकाश श्रीवास्तव, निहाल सिंह पंथी एवं उनकी टीम रमाकांत दीक्षित द्वारा निशुल्क डायबिटीज की दवाई 150 से अधिक लोगों को वितरित की गई।

जर्जर निर्माण को हटाकर जमीन का समतलीकरण करवाने में जुटी नपा

सिरोंज। पुराना कोर्ट एरिया में अवैध अतिक्रमण को हटाकर परिसन के समलीकरण को लेकर नपा का अमला एक सप्ताह बाद भी एक्टिव बना हुआ है। एक बार फिर नपाध्यक्ष मनमोहन साहू नपा अधिकारियों के साथ इस क्षेत्र का भ्रमण करने के लिए पहुंचे। इस इलाके में पुरानी तहसील संचालित होती थी। इस कारण यहां पर काफी पुराना जर्जर भवन बना हुआ है। अनेक अतिक्रमणारी इस जर्जर भवन से सटकर ही अपनी दुकान चलाते थे। नपा द्वारा उनके अवैध कब्जे को हटाने के बाद अब इसी जगह का समतलीकरण करवाया जा रहा है। समतलीकरण और सफाई की इस प्रक्रिया में बड़ी मात्रा में भारी-भरकम पत्थर और पुरानी ईंटे निकल रही है। इस सारी सामग्री को नपा द्वारा तहसील रोड पर स्थित मुक्तिधाम की खाली पड़ी जमीन पर भिजवाया जा रहा है। समतलीकरण की इस प्रक्रिया के बाद नपा द्वारा यहां पर शहर के मुख्य बाजार की सड़क पर खड़े होने वाले ठेला चालक सब्जी और फल विक्रेताओं को स्थानांतरित किया जाएगा। इसके साथ ही नपा द्वारा एक हिस्से में दोपहिया पार्किंग भी बनाई जाएगी। यह पार्किंग भी सशुल्क होगी। इस प्रक्रिया से शहर के मुख्य बाजार का आवागमन सुविधाजनक हो जाएगा। नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू ने बताया कि मलबे से निकला सामान पुरातत्व विभाग के अफसर देखेंगे। पुराना कोर्ट एरिया का निर्माण काफी पुराना है। इस कारण यहां से निकलने वाले मलबे को मुक्तिधाम की जमीन पर सुरक्षित रखा गया है। पुरातत्व विभाग के अफसरों को देखने के बाद इसका उपयोग किया जाएगा।

जीनियस प्लानेट स्कूल में विद्यार्थियों ने सीखा कथक कली नृत्य

इटारसी। स्पिक मेके के द्वारा जीनियस प्लानेट स्कूल में भारत के समृद्ध इतिहास की नृत्यकला कथकली का मंचन और विस्तार से विवरण दिया गया। कत्थक कली नृत्य प्रस्तुत करने आये सभी कलाकारों का स्वागत स्कूल संचालक मो. जाफर सिद्दीकी और प्रिंसिपल मनीता सिद्दीकी ने किया। कलाकारों ने सर्वप्रथम कथकली के पीछे के मूल कारण को समझाया, विभिन्न भाव भंगिमा के बारे में जानकारी प्रस्तुति के साथ दी, साथ ही ये कथा और कली (प्रदर्शन) से कैसे मिलकर इस नृत्य कला का मंचन होता है, इसके बारे में विस्तार से बताया। जिस प्रकार अंग्रेजी या हिंदी भाषा में शब्द होते हैं, उसी प्रकार कथकली की भी शब्दावली प्रदर्शन के माध्यम से होती हैं। साथ ही किसे नवरस का प्रयोग इसमें होता हैं, इसके बारे में भी बताया गया। इन सब जानकारी को समाहित कर व्यावहरिक रूप से हाथी, शेर और अजगर की कहानी का मंचन कर इसको समझया गया। साथ ही बच्चो के द्वारा कहे गए वाक्यों का कथकली के माध्यम से प्रदर्शन कर समझाया गया। इस जानकरी के बाद भीम और कुंती के प्रसंग का मंचन किया गया। जिसमें कुंती किस प्रकार भीम से सुगन्धित फूल को पाने की इच्छा करती हैं और किस प्रकार भीम उस इच्छा को पूरा करता हैं। इसके बाद सवाल जवाब के माध्यम से सत्र का समापन हुआ।

महाराणा कप कबड्डी प्रतियोगिता 2026 का शुभारंभ, अंडर 16 टीम शामिल

इटारसी। राजपूत समाज द्वारा आयोजित महाराणा कप कबड्डी प्रतियोगिता 2026 पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ जारी है। प्रतियोगिता का शुभारंभ विधायक एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीता शरण शर्मा एवं नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे द्वारा कबड्डी मैच का उद्घाटन कर किया गया। उद्घाटन अवसर पर अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से कुल 32 टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें 16 पुरुष एवं 16 महिला वर्ग की टीमें शामिल हैं। इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, खंडवा, नर्मदापुरम सहित अन्य जिलों की टीमें प्रतियोगिता में अपना दमखम दिखा रही हैं। कबड्डी प्रतियोगिता को लेकर शहरवासियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में प्रतियोगिता के प्रचार एवं जन-जागरूकता हेतु सभी खिलाड़ियों द्वारा सद्भावना रैली निकाली गई। सद्भावना रैली प्रात 11बजे नगर के प्रमुख मार्गों से होकर निकाली गई। मंडल अध्यक्ष राहुल चोरे, सभापति राकेश यादव सहित राजपूत समाज के पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मैदान में बड़ी संख्या में खेल प्रेमी पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर रहे हैं।

वन विभाग की कार्यप्रणाली और अधिकारियों की संवेदनशीलता की खुली पोल

एनएच 46 सीमा विवाद में उलझे जिम्मेदार 5 घंटे सड़क पर पड़ा रहा मृत जंगली सूअर

अमित श्रीवास्तव। औबेदुल्लागंज

मध्यप्रदेश का वन विभाग एक ओर जहां वन्यजीव संरक्षण के बड़े-बड़े दावे करता है, वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। बीती रात नेशनल हाईवे बाईपास 46 पर जो कुछ हुआ, उसने वन विभाग की कार्यप्रणाली और अधिकारियों की संवेदनशीलता की पोल खोलकर रख दी है।

बीती रात करीब 8:30 बजे खिल्लीखेड़ा (सनोटी ब्रिज के आगे) के पास एक जंगली सूअर का शव सड़क किनारे मिला। कुछ संदिग्ध लोग शव को उठाकर ले जाने की फिराक में थे, लेकिन सतर्क गौ सेवकों ने उन्हें रोक लिया। पूछताछ और बारीकी से देखने पर पता चला कि यह एक जंगली सूअर है। तत्काल 112 पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद पुलिस और वन विभाग का अमला हरकत में तो आया, लेकिन केवल खानापूर्ति के लिए। हैरानी की बात तब हुई जब औबेदुल्लागंज से पहुंचे उड़नदस्ता अधिकारी अशोक पोर्ते ने मौके पर मौजूद लोगों को भ्रमित करना शुरू कर दिया उन्होंने दावा किया कि यह जंगली सूअर नहीं है यह वन विभाग के अधिकारियों की दक्षता पर एक बड़ा सवालिया निशान है कि वे एक वन्यजीव की पहचान तक सही से नहीं कर पा रहे थे। घटनास्थल दाहोद रेंज में आता है या चिकलोद रेंज में इस मामूली से सवाल को लेकर विभाग के बीच ऐसा ईगो वॉर छिड़ा कि रात 8:30 से लेकर 12 बजे तक सूअर का शव लावारिस स्थिति में सड़क पर पड़ा रहा। परिक्षेत्र अधिकारी कार्तिकेय शुक्ला इसे चिकलोद की सीमा बताते रहे। वहीं चिकलोद के सहायक परिक्षेत्र अधिकारी इसे दाहोद की सीमा बताते रहे। रात करीब 11:30 बजे चिकलोद के सहायक अधिकारी अवध नारायण कीर और उनकी टीम ने मौके पर पहुंचकर पुष्टि की कि यह वास्तव में जंगली सूअर ही है। अंततः मामला सुलझा और शव को डिवीजन कार्यालय में सुरक्षित रखा गया।

गौ सेवक न होते तो हो जाता शिकार

अगर स्थानीय गौ सेवक मुस्तैदी नहीं दिखाते, तो शिकारी या मांसाहारी तत्व शव को गायब कर चुके होते। वन विभाग के अधिकारियों का यह उदासीन रवैया बताता है कि उन्हें वन्यजीवों की सुरक्षा से ज्यादा अपनी सीमाओं और कागजी खानापूर्ति की चिंता है। अब बड़ा सवाल यह हैं कब तक चलेगी ऐसी उदासीनता। क्या मुख्यालय के अधिकारियों को अपने अधिकार क्षेत्र की सीमाओं का ज्ञान नहीं है। एक वन्यजीव के शव के लिए 5 घंटे का इंतजार विभाग की कार्यक्षमता पर तमाचा नहीं है। भ्रामक जानकारी देने वाले उड़नदस्ता अधिकारियों पर क्या कार्रवाई होगी। अब सबकी नजरें वन मंडल अधिकारी हेमंत रैकवार पर टिकी हैं। क्या वे इस गैर-जिम्मेदाराना रवैये के खिलाफ कड़ा एक्शन लेंगे या मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा।

प्रसन्न जीत रंगारी सात साल बाद पाकिस्तान की जेल से हुए रिहा

बालाघाट। दोपहर मेट्रो

जिले के खैरलांजी निवासी प्रसन्नजीत रंगारी सात साल बाद पाकिस्तान की जेल से रिहा हो गए हैं। 31 जनवरी को पाकिस्तान द्वारा रिहा किए गए सात भारतीय कैदियों में उनका नाम भी शामिल है। वर्षों से उनकी वतन वापसी के लिए संघर्ष कर रहीं बहन संघमित्रा के प्रयास आखिरकार रंग ले आए। प्रसनजीत की घर वापसी से मध्य प्रदेश सहित बालाघाट जिले के खैर लांजी में भी जश्न जैसा माहौल है, परिवार सहित उन्हें चाहने वालों के चेहरे में खुशी लौट आई है। परिवार अब उन्हें लेने के लिए अमृतसर जाने की तैयारी कर रहा है।

पाकिस्तान की जेल में प्रसन्नजीत को सुनील अदे के नाम से बंद रखा गया था। 1 अक्टूबर 2019 को उन्हें पाकिस्तान के बाटापुर से हिरासत में लिया गया था। दिसंबर 2021 में इसकी जानकारी सामने आने के बाद से संघमित्रा लगातार प्रशासन और विभिन्न माध्यमों से भाई की रिहाई के लिए प्रयासरत थीं।

पेट दर्द से हुआ खुलासा

कटनी में किशोरी के साथ तीन युवकों ने किया गैंगरेप, गर्भवती

कटनी। दोपहर मेट्रो

जिले में महिला सुरक्षा के दावों की पोल खोलती एक और वारदात सामने आई है। दरअसल, यहां पर एनकेजे थाना क्षेत्र में एक 15 वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ तीन युवकों द्वारा गैंगरेप करने का मामला सामने आया है। हैरानी की बात ये है कि घटना का खुलासा तब हुआ जब पेट दर्द की शिकायत के बाद बच्ची को अस्पताल ले जाया गया, जहां वह गर्भवती पाई गई। एनकेजे थाना पुलिस को गैंगरेप का मामला दर्ज करने और आरोपियों की शिनाख्त कर गिरफ्तारी के कड़े निर्देश दिए गए हैं। फिलहाल प्राथमिकता बच्ची का स्वास्थ्य है, जिसकी डिलीवरी जिला अस्पताल में कराई जा रही है।

27-28 जनवरी की रात में सोशल मीडिया पर डाला था वीडियो, सुबह हटाया

भाजपा नेता पर जातिगत भेदभाव और नफरत को बढ़ावा देने का आरोप, प्रकरण दर्ज करने की मांग

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

भाजपा नेता और स्कूल संचालक प्रशांत पालीवाल के सोशल मीडिया पर डाले वीडियो के माध्यम से दिया गया बयान बवाल बनता जा रहा है। दो दिन पहले शनिवार को बहुजन समाज पार्टी ने थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर पालीवाल के खिलाफ प्रकरण दर्ज करने की मांग की थी। इसके बाद सोमवार को जाटव समाज ने भी थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञापन में सिरोंज जाटव समाज शिक्षण एवं जनकल्याण समिति ने बताया कि 28 जनवरी को प्रशांत पालीवाल ने सोशल मीडिया पर लाइव वीडियो में अनूसूचित जाति वर्ग को लेकर अत्यंत अपमानजनक, असंवैधानिक और जातिवादी टिप्पणी की थी। जिसमें उन्होंने अनुसूचित जाति के लोगों को कम अक्ल कहकर भी संबोधित किया है। वीडियो में उन्होंने ये भी कहा है कि इनकी औकात नहीं है कि ये आरक्षण के बिना नौकरी पास सकें या 70-80 अंक ला सकें। ज्ञापन में जाटव समाज ने कहा है कि प्रशांत का यह बयान न केवल जातिगत श्रेष्ठता के अहंकार को दर्शाता है बल्कि संसद द्वारा प्रदत एवं न्यायापालिका द्वारा संरक्षित संवैधानिक अधिकारों का खुला माखौल उड़ाता है। वहीं शिक्षण संस्थान के संचालक का इस तरह का कृत्य समाज और छात्रों के बीच जातिगत भेदभाव और नफरत को बढ़ावा देता है। जाटव समाज ने ज्ञापन में भाजपा नेता का मोबाइल जब्त कर उनके खिलाफ प्रकरण दर्ज करने की मांग की है। इस दौरान जाटव समाज समिति के अनेक सदस्य मौजूद थे।

प्रशांत पालीवाल ने 27-28 जनवरी की रात में सोशल मीडिया पर वीडियो साझा करने के बाद अगले दिन ही उसे हटा लिया था। 16 मिनट 43 सेकेंड के इस वीडियो में उन्होंने यूजीसी को लेकर अपनी बात कही थी। हालांकि अगले दिन सुबह ही उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से ये वीडियो हटा भी लिया। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर ही बयान लिखकर यह कहकर माफी मांगी है कि मैने जीवन में किसी से भेदभाव नहीं किया है। सिरोंज टीआई विमलेश राय ने बताया कि मामले की जांच कर रहे हैं। इसके बाद ही आगे की कार्रवाई करेंगे।

ग्राम कमरोरा में एक ही दिन में दो हत्याओं से पूरे इलाके में फैली सनसनी

युवती के साथ दुष्कर्म और हत्या से भड़की भीड़ ने आरोपी को पीट-पीटकर मार डाला, इलाके में तनाव

रायसेन। दोपहर मेट्रो

जिले के अंतर्गत आने वाले सुल्तानपुर थाना इलाके में गत दिवस एक सनसनीखेज वारदात ने हर एक जानने वाले को हैरान कर दिया। यहां के आदिवासी बहुल ग्राम कमरोरा (साढ़े बारह गांव क्षेत्र) में युवती की हत्या से आक्रोशित ग्रामीणों की भीड़ ने आरोपी युवक को पीट-पीटकर मार डाला। एक ही दिन में दो हत्याएं होने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

मामले की जांच में जुटी पुलिस का कहना है कि ग्राम कमरोरा में रहने वाले किसान की बेटी दोपहर में पिता को खाना देने खेत जा रही थी। रास्ते में गांव के ही 25 वर्षीय प्रकाश सिंह पुत्र बल्लू ने उसे रोक लिया। इस दौरान कुछ महिलाओं ने उसे देख लिया और परिजन को सूचना दे दी। घर वाले जब मौके पर पहुंचे तो उन्हें वहां बेटी का शव पड़ा मिला। परिजन का आरोप है कि उनकी बेटी के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या की गई है। घर वालों का कहना है कि मौके पर जब उसे देखा था तो मृतका निर्वस्त्र थी। देखते ही देखते घटना से गांव में आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों की भीड़ ने आरोपी प्रकाश सिंह को जंगल में ही घेर लिया और उसकी इस कदर पिटाई की कि, उसकी भी मौत हो गई।

घटना की जानकारी लगते ही सुल्तानपुर पुलिस मौक पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर विवेचना शुरू की है। युवती का शव पोस्टमॉर्टम के लिए औबेदुल्लागंज भेजा है, ताकि मौत के कारण और दुष्कर्म की पुष्टि हो सके। वहीं, क्षेत्र में तनाव के हालात बने हुए हैं। ऐसे में हालत को देखते हुए शहरभर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

पुलिस पत्रकार मिलन समारोह संपन्न

इटारसी। दोपहर मेट्रो

पुलिस सामुदायिक भवन में पुलिस पत्रकार मिलन एवं स्नेह भोज का आयोजन पुलिस परिवार द्वारा किया गया था। इस अवसर पर जिले के पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एस थोटा सहित अनुविभाग के पुलिस अधिकारी मौजूद थे, जिसमें एसडीओ पुलिस वीरेंद्र मिश्रा, जी आर पी एस डी ओ पी महेंद्र कुल्हाडा, जीआरपी थाना प्रभारी संजय चौकसे, थाना प्रभारी इटारसी गौरव बुंदेला, थाना प्रभारी पथरोटा संजीव पवार, थाना प्रभारी केसला उमाशंकर यादव, थाना प्रभारी रामपुर विपिन पाल एवं पुलिस बल मौजूद था। पुलिस पत्रकार मिलन समारोह की पेशकश स्वयं पुलिस अधीक्षक द्वारा की गई थी। पुलिस पत्रकार मिलन समारोह में औपचारिक रूप से बातचीत हुई एक दूसरे से सभी मिले एवं स्नेहभोज का आनंद सभी ने लिया। इस अवसर पर नर्मदा पुरम पत्रकार संघ के अध्यक्ष प्रमोद पगारे द्वारा पुलिस अधीक्षक का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया एवं उन्हें पत्रकार संघ का स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

मेट्रो एंकर घोषणा के बाद भटका प्रस्ताव, मंजूरी अटकी, पांच साल और करना पड़ सकता है इंतजार

छतरपुर को नगर निगम बनाने का सपना नौकरशाही की फाइलों में कैद

छतरपुर । दोपहर मेट्रो

शहर को नगर निगम बनाने की घोषणा जून 2023 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा की गई थी। घोषणा को अब लगभग तीन साल पूरे होने जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि नगर निगम गठन की प्रक्रिया अब भी कागजों से आगे नहीं बढ़ पाई है। नगरीय निकाय एवं आवास विभाग भोपाल में फाइल अटकी होने के कारण छतरपुर नगर पालिका को नगर निगम का दर्जा मिलने की दिशा में कोई ठोस निर्णय अब तक नहीं हो सका है।

जिला प्रशासन और नगर पालिका द्वारा करीब एक वर्ष पूर्व नगर निगम गठन का प्रस्ताव बनाकर भोपाल भेजा गया था। प्रस्ताव में तकनीकी और प्रक्रियात्मक खामियां पाए जाने पर फाइल वापस लौटा दी गई। इसके बाद आवश्यक सुधार कर लगभग तीन माह पूर्व फाइल दोबारा नगरीय प्रशासन विभाग के अपर सचिव को भेजी गई, लेकिन अब तक स्वीकृति नहीं मिल सकी है। अधिकारियों के अनुसार यदि अब जल्द निर्णय नहीं हुआ तो आगामी चुनावी प्रक्रिया के कारण छतरपुर को नगर निगम बनने के लिए पूरे पांच साल और इंतजार करना पड़ सकता है। पूर्व सीएमओ डीडी तिवारी के अनुसार नगर निगम गठन के लिए तीन लाख की आबादी का मानदंड और अन्य सभी आवश्यक प्रक्रियाएं नगर पालिका और जिला प्रशासन द्वारा पूरी कर ली गई हैं। शहर की सीमा का विस्तार करते हुए आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को शामिल किया गया है। प्रस्ताव को नगरीय प्रशासन से मंजूरी मिलने के बाद इसे कैबिनेट की स्वीकृति, राज्यपाल की अनुमति और अंत में गजट नोटिफिकेशन के लिए भेजा जाएगा। इन सभी प्रक्रियाओं में न्यूनतम एक वर्ष का समय लगना तय माना जा रहा है।

दोबारा गए प्रस्ताव में दूर की थी खामियां

दोबारा भेजी गई फाइल में छतरपुर नगर निगम में शामिल किए जाने वाले गांवों का पूरा विवरण दिया गया है। इसमें गांवों के नाम, जनसंख्या, सर्वे नंबर, क्षेत्रफल, कोर ग्राम से दूरी, गूगल मैप और रंगीन नक्शे के साथ-साथ ग्राम पंचायतों में कार्यरत कर्मचारियों की जानकारी भी संलग्न की गई है। राजस्व विभाग द्वारा तैयार नक्शे में छतरपुर की परिधि से 10 किलोमीटर के भीतर स्थित गांवों को चिन्हित किया गया है। इन गांवों से लगभग एक लाख की जनसंख्या नगर निगम क्षेत्र में जोड़ी जाएगी। बगौता, ढड़ारी, बजरंगगढ़, बूदौर, अतरार, रामगढ़, गुरैया, बूढ़ा, आमहार, ब्रजपुरा, सिमरिया, मौराहा, गठेवरा, बरकहा, कांटी, पलौठा, सरानी, खांप, निवारी, खमरी, मोरवा, कलानी, भगवंतपुर, मारवा, कैंडी, धमौरा, गौरगांय, हमा, सूरजपुर, मुआसी, सौरा, मलपुरा, टुरया, हतना, पठापुर, देरी, कतरवारा, बाजनापुरवा, राधेनगर, परा, ललौनी और चंद्रपुरा जैसे गांव प्रस्ताव में शामिल हैं। करीब 20 से अधिक गांवों के जुड़ने से प्रस्तावित नगर निगम का क्षेत्रफल 20628.19 हेक्टेयर हो जाएगा, जो वर्तमान नगर पालिका क्षेत्रफल से लगभग छह गुना अधिक होगा।

नपा में सूचना का अधिकार अधिनियम की अनदेखी पर हाईकोर्ट सख्त

नेता प्रतिपक्ष को दो माह में जानकारी उपलब्ध कराएं

पीएचई, लोकनिर्माण विभाग और अकाउंट विभाग से मांगी थी पूरे लेखा-जोखा की जानकारी

धार। दोपहर मेट्रो

धार नगर पालिका में सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत जानकारी छिपाने और अपीलों की अनदेखी करने के मामले में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय न्यायाधीश प्रणय वर्मा की एकल पीठ ने याचिका में सुनवाई करते हुए मुख्य नगर पालिका अधिकारी को आदेश दिया है कि याचिकाकर्ता द्वारा चाही गई जानकारियां दो माह की समयावधि में उपलब्ध कराएं।

नगर पालिका धार में कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष अब्दुल करीम कुरैशी, पार्षद प्रतिनिधी अजय सिंह ठाकुर और पार्षद ईश्वर ठाकुर ने विगत 3 वर्षों से विभिन्न विभागों में भ्रष्टाचार की आशंका के चलते कई आरटीआई आवेदन लगाए थे। निर्धारित समय सीमा बीतने के बाद भी जब जानकारी नहीं मिली, तो उन्होंने प्रथम अपील दायर की। इसके बावजूद नगर पालिका द्वारा दस्तावेजों को उपलब्ध कराने में टालमटोल की जाती रही। परेशान होकर कुरैशी ने अधिवक्ता के माध्यम से हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता के अनुसार उन्होंने नगर पालिका के महत्वपूर्ण विभागों से जुड़ी जानकारी मांगी थी, जिसमें पीएचई विभाग में ब्लीचिंग पाउडर की खरीदी, पाइप रिपेयरिंग और शहर में सुधारे गए हैंडपंप व मोटरों का रिकॉर्ड। लोक निर्माण विभाग में पिछले 3 वर्षों में शहर की सड़कों की मरम्मत पर हुआ खर्च। स्टोर व अकाउंट स्टोर में शेष सामग्री का ब्यौरा और अकाउंट विभाग का पूर्ण लेखा-जोखा। स्वच्छता में पिछले 3 सालों में स्वच्छता अभियान के नाम पर किए गए कार्यों का विवरण शामिल था।

60 दिनों में देना होगा जवाब

करीम कुरैशी ने कहा कि नगर पालिका द्वारा सालों तक जानकारी न देना किसी बड़े भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि दस्तावेजों के बाहर आने से कई रसूखदारों के चेहरे उजागर होंगे। कोर्ट के आदेश के बाद अब नगर पालिका पालिका को 60 दिनों के भीतर जवाब देना अनिवार्य होगा।

2 महीने में करना होगा निपटारा

उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि जिन मामलों में अपील लंबित है, उन्हें आदेश की प्रमाणित प्रति मिलने के 2 माह के भीतर तय किया जाए । वहीं, जिन अन्य आवेदनों पर अब तक अपील नहीं हुई थी, उनमें भी याचिकाकर्ता को अपील करने की छूट दी गई है, जिन्हें भी 2 माह की समय सीमा में ही निपटाना होगा ।

न्यूज विंडो

माली समाज के परिचय सम्मेलन में 132 युवक-युवतियों ने भाग लिया

धार। सकलपंच फूलमाली समाज धार द्वारा युवक युवती परिचय सम्मेलन भवानी माता गार्डन लकड़ी पिठा धार पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के शुभ अवसर पर महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्रीबाई फुले की मूर्ति पर माल्यार्पण अतिथियों ने किया व मंच पर भगवान गणेश का पूजन व दीप प्रज्वलित परिचय सम्मेलन का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर माली समाज की विभिन्न शाखों एवं जिलों से झाबुआ, दाहोद, उदयगढ़,अलीराजपुर, कुक्षी, नानपुर, राजगढ़, महेश्वर, धरमपूरी, इंदौर, देवास आदि स्थान से बड़ी संख्या में युवक युवतियों ने भाग लिया और कार्यक्रम में सभी जिलों से पधारे माली समाज के अध्यक्षों का स्वागत सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर समाज पूर्व समाज अध्यक्ष बाबूलाल गेहलोद, मोतीलाल रत्नागर (फौजी), नंदू भाई टॉक, दुलीचंद बानीवाल, सकलपंच फूलमाली समाज अध्यक्ष माणकचंद पटेल, हेमंत देवड़ा, हिरा मौर्य, राजेश पटेल, मीना डोड, गौरी जांगड़े आदि समाज मौजूद रहे। इस अवसर पर सकल पंच फूलमाली समाज कार्यकारिणी, महिला मंडल की कार्यकारिणी एवं शिक्षा समिति, नवयुवक मंडल कार्यकारिणी के सहयोग से युवक-यूवती परिचय सम्मेलन में 132 प्रविष्टियां प्राप्त हुई। अंत में सभी समाज जनों का आभार नवयुवक मंडल अध्यक्ष ललित डोड द्वारा माना गया। यह जानकारी प्रचार प्रसार प्रमुख बंटी पटेल ने दी।

अवैध शराब से भरी पिकअप जब्त, 2 लाख की बीयर बरामद

धार। जिले की औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर के सेक्टर 01 थाना अंतर्गत पुलिस ने अवैध शराब के परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए आगरा-मुंबई नेशनल हाईवे एबी रोड़ पर चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक पिकअप वाहन से भारी मात्रा में अवैध बियर जब्त की है, जसे शराब की कुल कीमत 2 लाख 26 हजार रुपये से अधिक बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक वाहन में अवैध शराब इंदौर से मानपुर की ओर ले जाई जा रही है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए संजय जलाशय चौकी पुलिस ने इंदौर-मानपुर एबी रोड बायपास पर ग्राम खाती भोण्डिया कट शमशान रोड के पास घेराबंदी की। पुलिस को देखकर महिंद्रा पिकअप वाहन एमपी 13-जेडक्यूय 9890 का चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। जब पुलिस ने वाहन की तलाशी ली, तो उसमें 82 पेटी माउण्ट बियर भरी हुई मिली। पुलिस ने अवैध शराब के साथ परिवहन में प्रयुक्त पिकअप वाहन को विधिवत जब्त कर अज्ञात चालक के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पांदुर्णा के मोहि घाट पर खड़े ट्रक में कंटेनर के टकराने से ड्राइवर और कंडक्टर की हुई मौत

पांदुर्णा। पांदुर्णा के मोहि घाट पर हादसों का ग्राफ बढ़ता ही जा रहा है। देर रात एक सड़क हादसा फिर हो गया है। यहां खड़े ट्रक में कंटेनर के टकराने से उसके ड्राइवर और कंडक्टर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। उनकी जेब से मिले दस्तावेजों के आधार पर की गई। जानकारी के अनुसार, हाईवे पर खड़े ट्रक में पीछे से आ रहे कंटेनर ने टक्कर मार दी।दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कंटेनर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ड्राइवर और कंडक्टर करीब एक घंटे तक केबिन में फंसे रहे। पांढुर्णा थाने के सहायक उपनिरीक्षक देवेंद्र कुमरे ने बताया कि मृतकों की पहचान हरियाणा निवासी जाहिद खान के रूप में हुई। वहीं अन्य एक मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। जिसके बारे में पतासाजी की जा रही है।

तेंदूखेड़ा में आदिवासी महिला की मौत के मामले में मायके-ससुराल पक्ष आमने-सामने

तीन माह की गर्भवती नवविवाहिता की गर्भपात के बाद संदिग्ध स्थिति में मौत, पड़ताल में जुटी पुलिस

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

जनपद पंचायत की अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बगदरी के ग्राम गुबरा में तीन माह की गर्भवती महिला की गर्भपात होने के चलते मौत हो गई। गर्भवती महिला कटनी जिले के अंतर्गत आने वाले कछार थाना बाकल निवासी थी। गर्भवती महिला भारती आदिवासी की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु होने पर मायके पक्ष ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं ससुराल पक्ष ने आरोपों को निराधार बताते हुए अपना पक्ष रखा है।

मृतका की मां गुड्डी बाई आदिवासी ने बताया कि उनकी बेटी भारती पिछले वर्ष परिवार के साथ मजदूरी के सिलसिले में महाराष्ट्र गई हुई थी। वहीं तेंदूखेड़ा जनपद पंचायत अंतर्गत बगदरी पंचायत के ग्राम गुबरा निवासी संदीप आदिवासी का परिवार भी काम कर रहा था। इसी दौरान भारती और संदीप की पहचान हुई, जिसकी जानकारी दोनों परिवारों को नहीं थी। काम समाप्त होने के बाद भारती अपने परिवार के साथ कछार लौट आई और संदीप भी अपने गांव वापस चला गया। कुछ समय बाद भारती बिना बताए घर से संदीप के पास चली गई। इसके बाद संदीप उसे लेकर पाटन तहसील, जिला जबलपुर के ग्राम कुंवरपुर बजरंगगढ़ पहुंचा, जहां उसकी बहन

नारायणी रहती है। वहीं दोनों ने मंदिर में शादी कर ली और साथ रहने लगे। संदीप खेतों की रखवाली और मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। संदीप की बहन नारायणी के अनुसार, दो दिन पहले भारती की तबीयत खराब हुई थी, जिसके बाद उसे पाटन अस्पताल ले जाया गया। इलाज के बाद उसे घर लाया गया। उन्होंने बताया कि भारती लगभग तीन माह की गर्भवती थी, इस दौरान उसका गर्भपात हो गया था और उसे एक टीका भी लगाया गया था। रविवार सुबह अचानक तबीयत बिगड़ने पर 108 नंबर पर कॉल किया गया, लेकिन एंबुलेंस के पहुंचने से पहले ही उसकी मृत्यु हो गई। इसके बाद ससुराल पक्ष ने लडकी के परिजनों को कटनी बाकल में सूचना दी जिस पर उन्होनें कहा कि अंतिम संस्कार हम लोगों के पहुंचने पर ही करना। रविवार की शाम को मायके पक्ष के लोगों के पहुंचने पर दोनों पक्षों में कहा सुनी हो गई जिस कारण से सूंपर्ण मामला तेंदूखेड़ा थाना तक पहुंच गया।

नायब तहसीलदार चंद्रशेखर शिल्पी एवं पुलिस स्टाफ के साथ गुबरा पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई कर शव का पोस्टमार्टम करने के लिए तेंदूखेड़ा लाया गया। जहां दो डांक्टरों की पेनल ने मृतिका पोस्टमार्टम कर शव परिजनों के सुपुर्द किया। वहीं मृतका की मां गुड्डी बाई ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी की मौत सामान्य नहीं है, बल्कि उसे मारा गया है। उन्होंने कहा कि जब भारती की तबीयत खराब हुई, उस समय उन्हें सूचना क्यों नहीं दी गई। बेटी की मौत के बाद ही उन्हें जानकारी दी गई। उन्होंने यह भी बताया कि बेटी द्वारा घर से भागकर शादी करने के कारण पिछले लगभग पांच महीनों से दोनों परिवारों के बीच बातचीत बंद थी। संदीप की बहन नारायणी ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि शादी के समय लड़की के माता-पिता को सूचना दी गई थी, लेकिन उन्होंने यह कह दिया था कि लड़की उनके लिए मर चुकी है। उन्होंने कई बार फोन करने का प्रयास किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं की गई। दूसरे दिन सुबह लगभग 6 बजे मृत्यु होने के बाद मायके पक्ष के लोग शाम को पहुंचे। फिलहाल पुलिस द्वारा पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी रविंद्र बागरी ने बताया कि मर्ग कायम कर लिया गया हैं, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्यवाही की जाएंगी।

वाहन से 25 पेटी अवैध शराब जब्त

धार। दोपहर मेट्रो

आबकारी विभाग के द्वारा चलाये जा रहे विशेष अभियान मे आबकारी वृत बदनावर ने अवैध शराब पर कार्यवाही करते हुए मनासा-पायकुण्डा रोड पर ग्राम पलवाडा और ग्राम बडगारा के बीच से चार पहिया वाहन से हजारों की शराब को जप्त किया है।

सहायक आबकारी आयुक्त जिला धार राजनारायण सोनी के मार्गदर्शन में एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी शालिनी सिंह के नेतृत्व में मनासा-पायकुण्डा रोड पर ग्राम पलवाडा और ग्राम बडगारा के बीच से चार पहिया वाहन से अवैध शराब से 25 पेटी विदेशी शराब को जब्त कर अज्ञात आरोपी के खिलाफ आबाकरी की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है उक्त कार्यवाही आबकारी उप निरीक्षक राजकुमार शुक्ला, रोहित मुकाती, मुनेन्द्र सिंह जादौन आबकारी आरक्षक राजेंद्र यादव, कमल वर्मा, संजय मंशारे की टीम द्वारा की गई।

बाग में अनाज व्यापारी पर धारदार हथियार से हमला कर हजारों रुपए लूट ले गए बदमाश

गंधवानी। दोपहर मेट्रो

बाग के ग्राम बंधानिया में अनाज व्यापारी पर धारदार हथियार से हमला कर हजारों की लूट कर तीन बदमाश फरार हो गए। व्यापारी दिलीप राठौड़ अनाज खरीदने के लिए अपनी पीकअप वाहन से जा रहे थे तभी एक बाइक पर सवार तीन बदमाशों ने उनके वाहन के आगे बाइक रोककर फालिये से हमला कर दिया, जिससे उनके कंधे पर चोट आई है, व्यापारी और एक बदमाश में कुछ मिनट तक संघर्ष भी हुआ, जिसके बाद दो बदमाश पीछे से आए और व्यापारी दिलीप राठौड को पीछे से पकड़ लिया और जेब में रखा रुपयों से भरा बैग और मोबाइल छीन लिया। लुट करने के बाद बदमाश फरार हो गए।

मारपीट से घायल दिलीप राठौड खुद वाहन चलाकर बाग पहुंचे और परिजनों के साथ पुलिस को सूचना दी, मारपीट से उनके कंधे और हाथ पर टांके आए है, अस्पताल में उनका उपचार जारी है, सूचना पर बाग पुलिस भी मौके पर पहुंची। व्यापारी दिलीप पिता बद्रीलाल राठोड़ ने बताया कि कपास खरीदने

बधानिया जाता हुं लड़कों ने बंदनीय बमोरी रोड पर बीच सड़क पर अपनी मोटरसाइकिल खड़ी कर मुझे रोककर एवं मेरे साथ मारपीट कर 80 हजार और मोबाइल फोन छीन लिया।

गंधवानी थाना प्रभारी कैलाश चौहान ने बताया कि फरियादी के आने पर पुलिस घटना स्थल का निरीक्षण करेगी, व्यापारी से लूट की घटना हुई है, आरोपियों की तलाश की जा रही है, जल्द आरोपी गिरफ्तार होंगे।

मेट्रो एंकर गुजरात से उज्जैन आ रही एक फैमिली के साथ हुई घटना, शिकायत पर 7 आरोपियों पर केस दर्ज

ट्रेन में यात्री से छेड़छाड़, विरोध करने पर वर्ग विशेष के युवकों ने मारपीट की

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

गुजरात से धर्मनगरी उज्जैन अस्थि विसर्जन के लिए आ रहे यात्रियों के साथ मारपीट और छेड़छाड़ का मामला सामने आया है । दरअसल, यह घटना रात्रि में मेमू ट्रैन में हुई है। ट्रेन जब रतलाम स्टेशन से चली तो वहीं से सवार हुए धर्म विशेष के युवकों ने यात्रियों के साथ मौजूद एक बालिका से छेड़छाड़ की। यात्रियों ने विरोध किया तो उनके साथ मारपीट कर दी। महिलाओं और पुरुषों के साथ मारपीट की गई। ट्रेन जब नागदा रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो दोनों ही धर्म के बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। हालांकि बड़ी संख्या में पुलिस मौजूद होने के कारण लोगों को खदेड़ दिया गया । वहीं, यात्रियों की शिकायत पर 7 आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। विवेचना के लिए यह प्रकरण रतलाम पुलिस को भेजा गया है। जीआरपी के अलावा स्थानीय पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए थे। क्षेत्र में शांति का माहौल है। घटना के बाद

जीआरपी द्वारा पीड़ितों का मेडिकल करवाया फिर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर विवेचना के लिए रतलाम भेजा गया। शक के आधार पर पकड़े गए 7 युवकों को भी रतलाम भेजा गया। जहां जांच के बाद तय होगा कि वो मारपीट और छेड़छाड़ में शामिल थे या नहीं। देर रात सभी पीड़ित परिजनों को पुलिस अभिरक्षा में उज्जैन अस्थि विसर्जन के लिए भेजा। घटना के बाद शहर में तनाव हो गया और सोशल मीडिया पर भी तनाव की सूचनाएं साझा होने लगी। प्रशासन की सतर्कता और तत्काल सख्ती करने से बड़ा विवाद टल गया। सोमवार सुबह शहर में माहौल शांत रहा।

गाली-गलौंज कर पीटा

दरअसल, पूरा घटनाक्रम इस प्रकार है कि मेघनगर और दाहोद से पीड़ित परिवार मेमू ट्रेन से अस्थि विसर्जन के लिए उज्जैन जा रहे थे। इसी ट्रेन में रतलाम स्टेशन से वर्ग विशेष के कुछ युवक चढ़े। अस्थि विसर्जन करने जा रहे परिवार की लड़की के साथ कुछ युवकों ने छेड़छाड़ कर दी। परिजनों ने इसका विरोध किया तो युवकों ने उनके साथ गाली-गलौज कर बेरहमी से मारपीट की। युवकों ने रतलाम के बाद अगले खाचरौद स्टेशन पर अपने साथियों को बुलवा लिया और परिवार के साथ मारपीट की।

तीन युवकों को पकड़ लिया

इस दौरान ट्रेन के अन्य यात्रियों की मदद से 3 युवकों को ट्रेन में ही पकड़ लिया गया और ट्रेन चल दी । इसके बाद अगला स्टेशन नागदा आया, यहां भी सूचना पर बड़ी संख्या में अल्प संख्यक वर्ग के युवा स्टेशन पहुंच गए। हिंदू संगठन के लोगों को इसकी सूचना मिली तो वे भी बड़ी संख्या में स्टेशन पहुंचे गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को खदेड़ दिया।

दोपहर मेट्रो में देखें सभी 20 टीमों का स्क्वाड

टी20 विश्व कप का काउंटडाउन शुरू

भारतीय टीम खिताब बचाने के इरादे से उतरेगी टूर्नामेंट में सूर्या रचेंगे इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी

टी20 विश्व कप का काउंटडाउन शुरू हो गया है और अब इस वैश्विक टूर्नामेंट को शुरू होने में पांच दिन का समय शेष रह गया है। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में खिताब बचाने के इरादे से उतरेगी। सभी 20 टीमों ने अपने स्क्वाड घोषित कर दिए हैं और प्रत्येक टीम टी20 विश्व कप में अपना दम दिखाने के लिए तैयार है। आइए जानते हैं कौन-कौन सी टीमें इसमें हिस्सा ले रही हैं।

पिछले बार की तरह इस बार भी टी20 विश्व कप में 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इन सभी टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है जिसमें प्रत्येक ग्रुप में पांच टीमें शामिल हैं। ग्रुप चरण के बाद सुपर आठ चरण होगा। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें इस चरण के लिए क्वालिफाई करेंगी। सुपर आठ चरण में आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा जिसमें प्रत्येक ग्रुप में चार टीमें होंगी। इनमें से दोनों ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में जाएंगी जिसके बाद दो टीमें फाइनल मुकाबला खेलेंगी। इस बार जो टीमें इस वैश्विक टूर्नामेंट में खेलेंगी उनमें भारत, नामीबिया, नीदरलैंड्स, पाकिस्तान, अमेरिका, स्कॉटलैंड (बांग्लादेश की जगह), इटली, इंग्लैंड, नेपाल, वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, ओमान, श्रीलंका, जिम्बाब्वे, अफगानिस्तान, कनाडा, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं। टी20 विश्व कप 2026 के मुकाबले भारत और श्रीलंका के आठ स्थलों पर आयोजित होंगे। भारत में कुल पांच स्थानों पर मैच खेलें जाएंगे, जबकि श्रीलंका के तीन स्थलों पर इस वैश्विक टूर्नामेंट के मैच आयोजित होंगे। भारत में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और अहमदाबाद इस टूर्नामेंट के मैचों की मेजबानी करेंगे। वहीं, कोलंबो का आर प्रेमादासा और एस स्पोर्ट्स क्लब में मैच होंगे, जबकि कैंडी का पल्लेकेले इंटरनेशनल स्टेडियम भी मैच की मेजबानी करेगा।

सूर्यकुमार के पास उपलब्धि हासिल करने का मौका

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव के पास टी20 विश्व कप के दौरान उपलब्धि हासिल करने का मौका रहेगा। अगर भारतीय टीम खिताब जीतने में सफल रही तो सूर्यकुमार भारत के चौथे कप्तान होंगे जिन्होंने आईसीसी ट्रॉफी जीती है। भारत के लिए अब तक कपिल देव (1983 वनडे विश्व कप), महेंद्र सिंह धोनी (2007 टी20 विश्व कप, 2011 वनडे विश्व कप और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी) और रोहित शर्मा (2024 टी20 विश्व कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी) ने ही भारत को अपनी कप्तानी में आईसीसी खिताब दिलाए हैं।

सभी 20 टीमों में इन्हें दिया गया मौका

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन, शिवम दुबे, ईशान किशन, हार्दिक पांड्या, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रिंकू सिंह।

अमेरिका: मोनांक पटेल (कप्तान), जेसी सिंह, एंड्रीज गौस, शेहान जयसूर्या, मिलिंद कुमार, श्यान जहांगीर, साईतेजा मुक्कामाला, संजय कृष्णमूर्ति, हरमीत सिंह, नोस्टुश केनजिगे, शैडली वान शल्कविक, सौरभ नेत्रावलकर, अली खान, मोहम्मद मोहसिन, शुभम रंजने

नामीबिया: गेरहार्ड इरास्मस (कप्तान), जेन ग्रीन, बर्नार्ड शोल्ट्ज़, रूबेन ट्रम्पेलमैन, जे.जे स्मिथ, जान फ्राइलिनक, लॉरेन स्टीनकैंप, मालन क्रूगर, निकोल लोफटी-ईटन, जैक ब्रासेल, बेन शिकोंगो, जेसी बाल्ट, डायलन लीचर, डब्ल्यूपी मायबर्ग, मैक्स हेंगो।

ट्रेवलिंग रिजर्व: अलेक्जेंडर वोल्शेंक।

नीदरलैंड: स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान), कॉलिन एकरमैन, नोआ क्रोज, बास डी लीडे, आर्यन दत्त, फ्रेड क्लासेन, काइल क्लेन, माइकल लेविट, जैक लायन-कैशेट, मैक्स ओ%डोड, लोगान वैन बीक, टिम वैन डेर गुगटेन, रूलोफ वैन डेर मेरवे, पॉल वैन मीकेरेन, शाकिब जुल्फिकार।

पाकिस्तान: सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमां, ख्वाजा मोहम्मद नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

ऑस्ट्रेलिया: मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कॉनोली, टिम डेविड, बेन ड्वारशुइस, कैमरन ग्रीन, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू रेनशॉ, मार्कस स्टोइनिस, एडम जांपा।

जिम्बाब्वे: सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, ग्रीम क्रेमर, ब्रैडली इवांस, क्लाइव मदांडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमनी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डायोन मायर्स, रिचर्ड नगारवा, ब्रेंडन टेलर।

आयरलैंड: पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क एडायर, रॉस एडायर, बेन कैलिट्ज़, कर्टिस कैम्फर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, मैथ्यू हम्फ्रीज, जोश लिटिल, बैरी मैकार्थी, हैरी टेक्टर, टिम टेक्टर, लोरकान टकर, बेन व्हाइट, क्रेग यंग।

ओमान: जतिंदर सिंह (कप्तान), विनायक शुक्ला, मोहम्मद नदीम, शकील अहमद, हम्माद मिर्जा, वसीम अली, करण सोनावले, शाह फैसल, नदीम खान, सुफियां महमूद, जय ओडेदरा, शफीक जान, आशीष ओडेदरा, जितेन रामानंदी, आमिर कलीम।

इंग्लैंड: हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफा आर्चर, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, सैम करन, लियाम डॉसन, बेन डकेट, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, जोश टोंग, ल्यूक वुड।

वेस्टइंडीज: शाई होप (कप्तान), शिमरॉन हेत्मायर, जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्डे, जेसन होल्डर, अकील हुसैन, शमार जोसेफ, ब्रैंडन किंग, गुडाकेश मोती, रोवमैन पोवेल, शेरफेन रदरफोर्ड, क्वेंटिन सैम्पसन, जेडन सील्स, रोमारियो शेफर्ड।

इटली: वेन मैडसेन (कप्तान), मार्कस कैपोपियानो, जियान पिएरो मीडे, जाएन अली, अली हसन, क्रिसन जॉर्ज कलुगामागे, हैरी मैनेंटी, एंथोनी मोस्का, जस्टिन मोस्का, सैयद नकवी, बेंजामिन मैनेंटी, जसप्रीत सिंह, जे.जे स्मट्स, ग्रांट स्टीवर्ट, थॉमस ड्रेका।

नेपाल: रोहित पौडेल (कप्तान), दीपेंद्र सिंह ऐरी, संदीप लामिछाने, कुशल भुर्टेल, आसिफ शेख, संदीप जोरा, आरिफ शेख, बसीर अहमद, सोमपाल कामी, करण केसी, नंदन यादव, गुलशन झा, ललित राजबंशी, शेर मल्ला, लोकेश बम।

स्कॉटलैंड: रिची बेरिंगटन (कप्तान), टॉम ब्रूस, मैथ्यू क्रॉस, ब्रैडली करी, ओलिवर डेविडसन, क्रिस ग्रीव्स, जानुल्लाह एहसान, माइकल जोन्स, माइकल लीस्क, फिनले मैकक्रीथ, ब्रैंडन मैकमुलन, जॉर्ज मुन्सी, सफयान शरीफ, मार्क वाट, ब्रैडली व्हील।

ट्रेवलिंग रिजर्व: जैस्पर डेविडसन, जैक जार्विस।

दक्षिण अफ्रीका: एडेन मार्करैम (कप्तान), कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डिकॉक, मार्को यानसेन, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, क्वेना मफाका, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिच नॉर्त्जे, कगिसो रबाडा, रेयान रिकेल्टन, जेसन स्मिथ, ट्रिस्टन स्टब्स।

न्यूजीलैंड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रैसवेल, मार्क चापमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डेरिल मिचेल, जेम्स नीशाम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सीफर्ट, ईश सोढ़ी।

अफगानिस्तान: राशिद खान (कप्तान), नूर अहमद, अब्दुल्ला अहमदजई, सेदिकुल्लाह अटल, फजल हक फारूकी, रहमानुल्लाह गुरबाज, नवीन उल हक, मोहम्मद इशाक रहीमी, शाहिदुल्लाह कमाल, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नैब, अजमतुल्लाह उमरजई, मुजीब उर रहमान, दरविश रसूली, इब्राहिम जादरान।

रिजर्व: एएम गजनफर, एजाज अहमद अहमदजई, जिया उर रहमान शरीफी।

भारत की अनाहत ने वॉशिंगटन में पहला पीएसए कांस्य स्तर का खिताब जीता,

नई दिल्ली। भारतीय युवा स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शीर्ष वरीयता प्राप्त और दुनिया की 10वें नंबर की खिलाड़ी इंग्लैंड की जॉर्जिना केनेडी को 12-10, 11-5, 11-7 से हराकर वॉशिंगटन में पीएसए कांस्य स्तर का खिताब जीता। विश्व रैंकिंग में 31वें स्थान पर काबिज 15 वर्ष की अनाहत ने स्क्वाश आन फायर ओपन जीता जो उनके कैरियर का 15वां खिताब है।

जीत के बाद अनाहत ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। मैं इन टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करके अपनी रैंकिंग बेहतर करना चाहती थी। मुझे खुशी है कि ऐसा कर सकी। यह जीत 15 वर्षीय अनाहत के करियर का सबसे बड़ा खिताब है और पीएसए टूर पर उनका कुल 15वां खिताब है जो उन्होंने मात्र 26 टूर्नामेंटों में हासिल किया। दिल्ली की यह खिलाड़ी फिलहाल विश्व रैंकिंग में 31वें स्थान पर है। सातवीं वरीयता प्राप्त अनाहत पिछले मुकाबले में केनेडी से हार गई थीं। उन्होंने फाइनल में अद्भुत संयम दिखाया। 8-10 से पिछड़ने के बाद लगातार चार अंक जीतकर उन्होंने पहला गेम अपने नाम कर लिया और उसके बाद मुकाबले पर पूरी तरह से नियंत्रण कर लिया।

पाकिस्तानी फैन्स को अभी से सता रहा डर

भारत से बचकर भागे, नीदरलैंड्स-यूएसए भी कम नहीं!

लाहौर, एजेंसी

भारत के खिलाफ आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप मुकाबले के बहिष्कार को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड जबरदस्त विवादों में घिरा हुआ है। लेकिन अगर इस सियासी ड्रामे के बीच पाकिस्तान को नीदरलैंड्स या संयुक्त राज्य अमेरिका जैसी टीमों से हार का सामना करना पड़ा, तो हालात सिर्फ मैदान तक सीमित नहीं रहेंगे, सोशल मीडिया से लेकर सड़क तक गुस्सा फूट सकता है।

भारत के खिलाफ मैच ना खेलने का फैसला जहां पाकिस्तान को दो अंक और नेट रनरेट में नुकसान पहुंचाएगा, वहीं उसके अगले राउंड में पहुंचने की उम्मीदें भी कमोजर होंगी। भारत के खिलाफ मैच छोड़ने की स्थिति में पाकिस्तान पर बाकी ग्रुप मैचों में दबाव कई गुना बढ़ जाएगा। ऐसे में पाकिस्तान को अगले दौर में पहुंचने के लिए नीदरलैंड्स, यूएसए और नामीबिया के खिलाफ मैच जीतने होंगे। अगर पाकिस्तान इन तीनों मैचों में जीत दर्ज हासिल करता है तो क्वालिफिकेशन की उम्मीद बनी रहेगी। लेकिन अगर टीम इन तीन में से एक भी

मैच हार गई, तो वो मुश्किल में पड़ जाएगी। नीदरलैंड्स, नामीबिया या यूएसए के खिलाफ हार पाकिस्तानी टीम के वर्ल्ड कप सफर पर विराम लगा सकती है। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि अगर पाकिस्तान इन अपेक्षाकृत कमजोर मानी जाने वाली टीमों के खिलाफ हारता है, तो फैन्स का गुस्सा सीधे पीसीबी और सरकार के निर्णय पर बरसेगा। एक पाकिस्तानी फैन ने ङ्क पर लिखा, सोचिए अगर हम अमेरिका/नीदरलैंड्स से हार गए तो विश्व कप से बाहर हो जाएंगे। उस फैन को एक भारतीय प्रशंसक ने जवाब देते हुए कहा, सोचिए अगर भारत अमेरिका या नीदरलैंड्स से हार जाता है। पाकिस्तान फिर भी विश्व

फैंस का डर जायज

वैसे भी पाकिस्तानी फैन्स का डर जायज भी है। पिछले टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को संयुक्त राज्य अमेरिका ने सुपर ओवर में पराजित कर दिया था। अब इस बार भी कुछ ऐसी परिस्थिति देखने को मिल सकती है। पहले ही कई पूर्व क्रिकेटर यह चेतावनी दे चुके हैं कि भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार पाकिस्तान क्रिकेट को भारी नुकसान पहुंचा सकता है। अगर कमजोर टीमों के खिलफ हार हुई, तो सोशल मीडिया पर मीम्स की बाढ़ आनी तय है। पीसीबी की मीटिंग्स, और खिलाड़ियों के रिएक्शन वाली तस्वीरें वायरल हो सकती हैं। भारत के खिलाफ बहिष्कार पहले ही पाकिस्तान क्रिकेट के लिए जोखिम भरा कदम माना जा रहा है। लेकिन अगर इसके बाद मैदान पर नतीजे भी खिलाफ गए, तो यह सिर्फ एक मैच नहीं, बल्कि पूरे फैसले की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर देगा। अब पाकिस्तान के लिए हर मुकाबला सिर्फ जीत का नहीं, बल्कि अपने फैसले को सही साबित करने का भी इम्तिहान बन चुका है।

विदिशा की इशिका मीणा का शूटिंग बॉल टीम में चयन, वर्ल्ड कप में बढ़ाएंगी भारत का मान

दोपहर मेट्रो, विदिशा

विदिशा जिले की होनहार खिलाड़ी इशिका मीणा ने खेल जगत में एक नई पहचान बनाते हुए जिले के साथ-साथ पूरे मध्य प्रदेश का नाम रोशन किया है। इशिका का चयन भारतीय शूटिंग बॉल टीम में हुआ है और वे दूसरे शूटिंग बॉल वर्ल्ड कप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। खास बात यह है कि इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के लिए मध्य प्रदेश से चुनी गई वे एकमात्र खिलाड़ी हैं।

शूटिंग बॉल वर्ल्ड कप का आयोजन 1 से 3 फरवरी 2026 तक राजधानी नई दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में किया जाएगा। शूटिंग बॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में 18 देशों की टीमें हिस्सा लेंगी। भारतीय टीम में इशिका मीणा को मुख्य अटैकर की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इशिका मीणा की शैक्षणिक और खेल यात्रा भी प्रेरणादायक रही है। वे विदिशा स्थित महारानी लक्ष्मी बाई गर्ल्स स्कूल की पूर्व छात्रा रही हैं। उन्होंने बीपीईएस में स्नातक की शिक्षा प्राप्त की है और वर्तमान में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय से बीपीएड की पढ़ाई कर रही हैं। खेल के क्षेत्र में इशिका लगातार सक्रिय रही हैं और अब तक सीनियर, जूनियर और सब-जूनियर वर्ग की छह राष्ट्रीय शूटिंग बॉल प्रतियोगिताओं में सहभागिता कर चुकी हैं।

सफलता में कोच की भूमिका अहम

उनकी इस सफलता के पीछे शूटिंग बॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के कोषाध्यक्ष एवं अनुभवी कोच जितेंद्र सिंह बघेल का मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा है, जिन्होंने इशिका की प्रतिभा को निखारने में अहम भूमिका निभाई। इशिका के चयन की खबर मिलते ही उनके स्कूल, खेल जगत और पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। वी टीच स्कूल प्रबंधन, खेल प्रेमी पंकज भार्गव, रविकांत नामदेव सहित अनेक गणमान्य नागरिकों और खेल प्रेमियों ने इशिका को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और देश के लिए पदक जीतने की शुभकामनाएं दी हैं। विदिशा की यह बेटी आज युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनकर उभरी है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

बैन के बाद पाकिस्तान के घर-घर में देखी जा रही धुरंधर

नेटफ्लिक्स-ट्रेंड दे रहा सबूत

आदित्य धर की फिल्म धुरंधर बॉलीवुड के इतिहास की सबसे बड़ी फिल्म साबित हो रही है। क्योंकि इस फिल्म का क्रेज थमने का नाम नहीं ले रहा है। थिएटर में सक्सेसफुली चलने के बाद, अब फिल्म ओटीटी पर भी धमाल मचा रही है। इंडिया में तो इसे पसंद किया ही जा रहा है। लेकिन साथ ही में जहां ये फिल्म बैन थी, वहां भी लोग इसे खूब देख रहे हैं।

धुरंधर जब रिलीज हुई थी, तब इसे पाकिस्तान समेत सभी गल्फ देशों में बैन किया गया था। ऐसे में फिल्म के मेकर्स को काफी भारी नुकसान चुकाना पड़ा था। हालांकि वहां के लोग इस फिल्म के गानों को बेहद पसंद कर रहे थे। पाकिस्तान से कई सारे वीडियोज सामने आए थे, जहां शादियों में धुरंधर के ही गाने बज रहे थे। अब चूंकि धुरंधर नेटफ्लिक्स पर ग्लोबली रिलीज हो गई है, ऐसे में पाकिस्तानी लोग भी इसे देख रहे हैं। इंडिया समेत वहां के नेटफ्लिक्स पर भी फिल्म नंबर 1 पर ट्रेंड कर रही है। इसका एक स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें टॉप 10 मूवीज ट्रेंडिंग इन नेटफ्लिक्स

पाकिस्तान की लिस्ट में नंबर 1 पर धुरंधर दिखी है। इस न्यूज को कई लोगों ने भी कंफर्म किया है।

धुरंधर की कहानी पाकिस्तान के शहर ल्यारी और वहां की गैंग वॉर को दर्शाती है। जहां इंडिया की तरफ से एक एजेंट हमजा अली मजारी बनकर पहुंचता है। वो वहां मौजूद सभी गैंग और आतंकवादी अड्डों में घुसकर उसे अंदर ही अंदर खत्म करने के मिशन पर होता है। ये कहानी वहां के लोगों के लिए काफी कॉन्ट्रोवर्शियल थी, इसलिए इसे पाकिस्तान के थिएटर्स में बैन किया गया था।

सोशल मीडिया में कर रहे तारीफ

लेकिन जब ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई, तो किसी से रहा नहीं गया। पाकिस्तान के लोगों ने ये फिल्म देखी भी और अब सोशल मीडिया पर इसकी जमकर तारीफ भी कर रहे हैं। रेडिट, ङ्क जैसे प्लेटफॉर्म्स पर पाकिस्तान की आवाम सिर्फ धुरंधर की सराहना कर रही है। वो हैरान हैं कि आदित्य धर, जो इंडियन फिल्ममेकर हैं, उन्होंने ल्यारी जैसे शहर को हूबहू कैसे बड़े पर्दे पर दिखा दिया। अब वो यही सोच रहे हैं कि जब पार्ट 1 ने इस तरह का धमाका किया है, तो पार्ट 2 में और क्या-क्या होने वाला है। फिल्म धुरंधर पाकिस्तान के साथ-साथ और भी कई देशों में ट्रेंड कर रही है। अब इसका पार्ट 2 19 मार्च, 2026 को ईद के मौके पर रिलीज होगा, जिसके लिए सभी बेहद एक्साइटेड हैं। उनके मन में फिल्म को लेकर कई सवाल हैं, जिसके जवाब उन्हें अभी से लगभग 50 दिनों के बाद मिलेंगे।

मेट्रो बाजार

जनवरी में भारत में व्हाइट-कॉलर नौकरियों में 3% की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। भारत में व्हाइट-कॉलर (ऑफिस से जुड़ी) नौकरियों की भर्ती ने साल 2026 की शुरुआत स्थिर रफ्तार के साथ की है। जनवरी महीने में भर्ती में सालाना आधार पर 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस बढ़त की सबसे बड़ी वजह नॉन-आईटी सेक्टर और फ्रेशर्स की भर्ती रही। नौकरी जॉबस्पीक इंडेक्स की रिपोर्ट के मुताबिक, नॉन-आईटी सेक्टर इस बढ़ोतरी के मुख्य कारण रहे। इसमें बीपीओ/आईटीईएस सेक्टर में 21 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखी गई। वहीं हॉस्पिटैलिटी और ट्रैवल सेक्टर में 15 प्रतिशत से अधिक, इंश्योरेंस सेक्टर में 7 प्रतिशत से ज्यादा और हेल्थकेयर सेक्टर में 5 प्रतिशत से अधिक की बढ़त दर्ज की गई। रिपोर्ट के अनुसार, बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं उन प्रमुख गैर-आईटी क्षेत्रों में से एक थीं जिनमें गिरावट देखी गई। इसमें सालाना आधार पर 15 प्रतिशत की गिरावट आई। वहीं, आईटी क्षेत्र में पूरे महीने कोई बदलाव नहीं हुआ और यह लगभग स्थिर रहा। हालांकि, एआई और मशीन लर्निंग से जुड़ी नौकरियों में 34 प्रतिशत से ज्यादा की मजबूत बढ़त देखने को मिली। पिछले तीन महीनों से बीपीओ/आईटीईएस सेक्टर लगातार टॉप 5 सेक्टरों में शामिल रहा है, जहां सालाना आधार पर दो अंकों में ग्रोथ देखी गई है। जनवरी 2026 में बीपीओ/आईटीईएस सेक्टर में कुल भर्ती 21 प्रतिशत बढ़ी। इसमें फ्रेशर्स की भर्ती में 39 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी हुई। वहीं, 13 से 16 साल के अनुभव वाले प्रोफेशनल्स की भर्ती में भी 9 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

भारत-फिनलैंड के बीच 2032 तक दोगुना हो सकता है व्यापार : राजदूत

नई दिल्ली। भारत और फिनलैंड के बीच व्यापार 2032 तक दोगुना होकर 6 अरब यूरो तक पहुंच सकता है, जो कि मौजूदा समय में 3 अरब यूरो पर है। यह जानकारी भारत में फिनलैंड के राजदूत किम्मो लाहदेविरता की ओर से सोमवार को दी गई। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए राजदूत लाहदेविरता ने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) ऐतिहासिक रहा है और भारत या फिर ईयू दोनों की ओर से किया गया यह अब तक का सबसे बड़ा व्यापार समझौता है।

उन्होंने आगे कहा कि भारत और फिनलैंड में मौजूदा समय में व्यापार 3 अरब यूरो का है। एफटीए के लागू होने के बाद, हमारा उद्देश्य इसे 2032 तक दोगुना करने की है। लाहदेविरता ने कहा कि यह समझौता दोनों पक्षों के लिए महत्वपूर्ण और लाभकारी है और यह ऐसे समय में हुआ है जब वैश्विक साझेदारियों को मजबूत करना अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। राजदूत ने कहा कि एफटीए पर बातचीत का सफल समापन यूरोपीय संघ-भारत संबंधों में एक नए चरण की शुरुआत है।

लाहदेविरता के मुताबिक, यह समझौता न सिर्फ आर्थिक संबंधों को मजबूत करेगा, बल्कि राजनीति संबंधों को भी नए आयाम देगा। उन्होंने आगे कहा कि मुक्त व्यापार समझौता व्यवसायों के लिए अधिक पूर्वानुमानित और खुला ढांचा तैयार करेगा, जिससे दोनों देशों की कंपनियों को एक-दूसरे के बाजारों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। लाहदेविरता ने कहा कि इससे टेक्नोलॉजी, सर्विसेज, मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन जैसे क्षेत्रों में नए अवसर खुलेंगे।

योगी दा में बिना किसी बॉडी डबल के सभी स्टंट मैंने खुद किए : साई धनशिका

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्री साई धनशिका अपनी अपकमिंग फिल्म योगी दा की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। साई फिल्म में एक्शन करती नजर आएंगी। उन्होंने बताया कि फिल्म योगी दा में सभी स्टंट खुद किए हैं।

उन्होंने बताया कि बिना किसी बॉडी डबल के एक्शन सीन पूरे किए महिलाएं चाहें तो पुरुषों जितने शानदार स्टंट कर सकती हैं। एक इवेंट में साई धनशिका ने बताया, ÷मैंने पहली बार पेरानमाई में एक्शन किया था और वह अनुभव आज भी मेरी मदद करता है। योगी दा में हर स्टंट सीन मैंने खुद किए हैं, बिना किसी बॉडी डबल के। अगर महिलाएं मन बना लें, तो वे पुरुषों की तरह ही अछे स्टंट कर सकती हैं। उन्होंने फिल्म के संदेश पर जोर देते हुए कहा, आज महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। समाज अक्सर सोचता है कि एक बार अगर कोई महिला शारीरिक रूप से घायल हो जाए, तो वह फिर कभी खड़ी नहीं हो सकती। लेकिन योगी दा दिखाती है कि वह इससे उबर सकती है और मजबूत होकर वापस आ सकती है। हमने यह फिल्म महिलाओं के लिए, उनकी पूरी

क्षमता दिखाने के लिए बनाई है। साई धनशिका ने फिल्म के टाइटल की रोचक कहानी भी साझा की। उन्होंने कहा कि योगी दा का नाम सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म कबाली से प्रेरित है। मैंने कबाली में रजनीकांत सर की बेटी का किरदार निभाया था, जिसका नाम योगी था। इसी से योगी दा की शुरुआत हुई। हमने कबाली के लुक और एक्शन स्टाइल में समानताएं देखीं, इसलिए यह नाम चुना।

अधिकारों के लिए नर्मदा नदी में उतरे मछुआरे!

» 30 से अधिक नावों के साथ निकाली भव्य रैली

बड़वानी, एजेंसी

प्रदेश के बड़वानी जिले में मछुआरों ने कसरावद से राजघाट तक नर्मदा नदी में 30 से अधिक नावों के साथ भव्य नाव रैली निकाली। यह नाव रैली सरकार और प्रशासन का ध्यान वर्षों से लंबित मछुआरा समुदाय की समस्याओं की ओर आकर्षित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई। गौरतलब है की नर्मदा बचाओ आंदोलन के बैनर तले नर्मदा घाटी के विस्थापित मछुआरों ने अपने संवैधानिक और कानूनी अधिकारों की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर के नेतृत्व में मछुआरों ने कसरावद से राजघाट तक नर्मदा नदी में 30 से अधिक नावों के साथ भव्य नाव रैली निकाली।

न्यूज विंडो

नेताओं पर हमला, भड़की वाईएसआरसीपी नायडू सरकार को बताया जंगलराज

अमरावती। आंध्र प्रदेश की युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) ने आंध्र प्रदेश की तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) की सरकार पर तीखे हमले किए। पार्टी ने राज्य के मौजूदा हालात को जंगल राज बताया। पार्टी नेताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के शासन में कानून-व्यवस्था पूरी तरह खत्म हो चुकी है। अब वाईएसआरसीपी सरकार के गलत कामों को राष्ट्रीय मंच पर ले जाएगी।वाईएसआरसीपी के अनुसार, पार्टी अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी के निर्देश पर वरिष्ठ नेताओं ने एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक का नेतृत्व सज्जाला रामकृष्ण रेड्डी और बोत्सा सत्यनारायण ने किया। नेताओं ने पूर्व मंत्री अंबाती रामबाबू पर हुए जानलेवा हमले और पूर्व मंत्री जोगी रमेश के घर पर हुई हिंसा पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार धमकियों और हमलों के जरिए विपक्ष की आवाज को दबाना चाहती है। हालांकि, नेताओं ने साफ कर दिया कि ऐसी हरकतों से वाईएसआरसीपी रुकने वाली नहीं है, बल्कि वह अपना संघर्ष और तेज करेगी। पार्टी ने तिरुमाला लड्डू प्रसाद से जुड़े विवाद पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि चंद्रबाबू नायडू के बयानों ने करोड़ों भक्तों की भावनाओं को चोट पहुंचाई है।

9 गुना बढ़ा बिहार का रेल बजट मलेशिया से बड़ा नेटवर्क: वैष्णव

पटना। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत नवीनतम रेल बजट में बिहार को ऐतिहासिक सौगात मिली है। वर्ष 2009-14 के दौरान जहां बिहार को रेलवे मद में औसतन 1,132 करोड़ प्रतिवर्ष मिलते थे, वहीं 2026-27 के बजट में यह बढ़कर 10,379 करोड़ हो गया है, जो लगभग नौ गुना अधिक है।इससे स्पष्ट है कि केंद्र सरकार बिहार में रेलवे अवसंरचना को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। वहीं, पिछले वर्ष 2025-26 के बजट में रेल परियोजनाओं के लिए 10,033 करोड़ रुपये आवंटित किए थे, जो इस वर्ष 26-27 में 346 करोड़ अधिक है।रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अमृत स्टेशन योजना के तहत बिहार के 98 स्टेशनों को विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ पुनर्विकसित करने के लिए चिह्नत किया गया है।राज्य में वर्तमान में 14 जोड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस, 21 जोड़ी अमृत भारत एक्सप्रेस और एक जोड़ी नमो भारत एक्सप्रेस का संचालन हो रहा है, जिससे यात्रियों को तेज, सुरक्षित और आधुनिक रेल सेवा मिल रही है।रेल मंत्री ने कहा कि नेटवर्क विस्तार की बात करें तो वर्ष 2014 के बाद से बिहार में लगभग 2,000 किलोमीटर नई रेल पटरियों का निर्माण किया गया है, जो मलेशिया के संपूर्ण रेल नेटवर्क से भी अधिक है।इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार, दानापुर डीआरएम कार्यालय में डीआरएम विनोद कुमार, एडीआरएम राजीव कुमार, सिनियर डीसीएम अभिनव सिद्धार्थ उपस्थित रहे।

सुनेत्रा पवार इस हफ्ते संभालेंगी डिप्टी सीएम का कार्यभार

मुंबई। विमान हादसे में अजित पवार की मृत्यु के बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली थी। अब खबर सामने आई है कि सुनेत्रा पवार इस सप्ताह के अंत तक अपना कार्यभार संभाल लेंगी। वहीं, महाराष्ट्र के मंत्रालय में सुनेत्रा पवार को अजित पवार का ही केबिन दिया गया है। सुनेत्रा पवार को मंत्रालय में वही कार्यालयीन कक्ष (दालान) दिए जाएंगे, जिनका उपयोग पहले अजित पवार किया करते थे। इस संबंध में राज्य सरकार ने निर्णय लेते हुए सामान्य प्रशासन विभाग (GAD) ने शासन निर्णय जारी किया है। सरकारी निर्णय के अनुसार, मंत्रालय के 5वें, छठे और 7वें मंजिल पर स्थित अजित पवार के उपयोग में रहे कक्षों को ही अब उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के लिए स्थायी रूप से आवंटित किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, सुनेत्रा पवार सप्ताह के अंत तक अपने पद का औपचारिक रूप से कार्यभार संभाल सकती हैं।

कुत्तों के काटने के मामलों को लेकर हाई कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

'इंदौर में सुप्रीम कोर्ट के आदेश तक का पालन नहीं होता'

इंदौर, एजेंसी

शहर में लगातार बढ़ रहे कुत्तों के काटने के मामलों को लेकर हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने चिंता जताई है। जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी की और कहा कि इंदौर में सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन तक नहीं होता।

चूंकि यह मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। इसलिए हम सिर्फ इतना आदेश दे रहे हैं कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन सुनिश्चित किया जाए। बता दें, सुप्रीम कोर्ट ने लगभग दो माह पहले नगरीय निकायों को आदेश दिया था कि सार्वजनिक स्थानों से श्वानों को हटाया जाए और उन्हें डॉग शेल्टर होम बनाकर शिफ्ट किया जाए। बावजूद इसके इंदौर में अब तक कुछ नहीं हुआ। हाई कोर्ट अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसले आने के बाद सुनवाई करेगा। हाई कोर्ट में यह जनहित याचिका युवाओं के संगठन डूइंग नीडफुल एसोसिएशन ने एडवोकेट गगन बजाड़ के माध्यम से प्रस्तुत की है। याचिका में कहा है कि नगर निगम दावा करता है कि अब तक ढाई लाख श्वानों की नसबंदी हो चुकी है, लेकिन इसका कोई रिकॉर्ड नहीं है।

एजेंसी नसबंदी के नाम पर कुत्तों के कान काट देती है

निगम द्वारा तय एजेंसी नसबंदी के नाम पर कुत्तों के कान काट देती है, लेकिन वास्तव में नसबंदी हो भी रही है या नहीं, इस बात की कभी जांच नहीं हुई। याचिका में मांग की गई है कि कुत्तों की नसबंदी का रिकॉर्ड ऑनलाइन डैशबोर्ड के माध्यम से आम नागरिकों के लिए सार्वजनिक किया जाए। हाई कोर्ट ने याचिका में वरिष्ठ अधिवक्ता पीयुष माथुर को न्याय मित्र बनाया है। इसके अलावा एडवोकेट बजाड़, एडवोकेट मनीष यादव के साथ-साथ पूर्व में कुत्तोंको लेकर याचिका लगा चुकी वंदना जैन ने भी अपनी बात रखी।

सुप्रीम कोर्ट में पूरी हो चुकी सुनवाई

कुत्तों की बढ़ती समस्या को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान याचिका दायर की है। याचिका में सुनवाई पूरी हो चुकी है। कोर्ट ने सभी पक्षकारों से कहा है कि वे चाहें तो लिखित में अपने तर्क दे सकते हैं। इसी याचिका की सुनवाई करते हुए करीब दो माह पहले सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के स्थानीय निकायों से कहा था कि वे सार्वजनिक स्थानों से श्वानों को हटाएं और उन्हें डाग शेल्टर होम में शिफ्ट करें। निगम के आंकड़ों के हिसाब से इंदौर में दो लाख से ज्यादा आवारा कुत्ते हैं। औसतन 200 लोग रोज श्वानों के काटने का शिकार हो रहे हैं। देवगुराडिया ट्रेंचिंग ग्राउंड पर एकमात्र डॉग शेल्टर होम है। इस डॉग शेल्टर होम की क्षमता 200 श्वानों को रखने की है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद उम्मीद थी कि निगम जल्द ही बड़ा डॉग शेल्टर होम शुरू करेगा, लेकिन नहीं हुआ।

रोहतांग-भरमौर में 6 इंच तक बर्फ गिरी

एमपी और राजस्थान में घना कोहरा हिमाचल, जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी

भोपाल/लखनऊ/नई दिल्ली। उत्तर भारत में मौसम एकबार फिर बदला है। इसका कारण 2 वेस्टर्न डिस्टर्बेंस हैं। मौसम विभाग के मुताबिक 3 फरवरी तक पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में बारिश और बर्फबारी होगी।

मध्य प्रदेश 20 जिलों में बारिश का अलर्ट है। राजस्थान के 17 जिलों में कोहरे का यलो अलर्ट है। इसके साथ ही तापमान में बढ़ोतरी हुई है। बाड़मेर में अधिकतम तापमान 28.5 डिग्री रहा।बिहार के 5 जिलों में कोहरे का यलो अलर्ट है। हिमाचल में ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी और अन्य जगहों पर बारिश हुई। लाहौल-स्पीति के रोहतांग और भरमौर में सबसे ज्यादा 6 इंच बर्फबारी हुई। कल्पा में तापमान माइनस 3.8 डिग्री रहा। शिमला-ठियोग-रामपुर नेशनल हाईवे पर फिसलन बढ़ गई है। वहीं, जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी के कारण सर्दी बढ़ी है। गुलमर्ग में तापमान माइनस 8डिग्री , लद्दाख के द्रास में -15.1डिग्री रहा।उत्तराखंड में आज बारिश की संभावना जताई गई है। उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में बर्फबारी हो सकती है। इसके अलावा 2800 मीटर और उससे ज्यादा ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी होने की संभावना है। इधर देहरादून, पौड़ी और नैनीताल में कहीं-कहीं गरज के साथ आकाशीय बिजली चमकने और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का यलो अलर्ट है।

सौजन्य भेंट

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री निवास में सौजन्य भेंट की।

बेंगलुरु से पकड़ी गई कुख्यात बाप-बेटे की जोड़ी

पटना। बिहार की राजधानी से जुड़े एक कुख्यात आपराधिक नेटवर्क का आखिरकार पर्दाफाश हो गया है। नौबतपुर इलाके में लंबे समय से दहशत का पर्याय बने अपराधी मनोज सिंह और उसके बेटे मानिक सिंह को बिहार एसटीएफ ने बेंगलुरु से गिरफ्तार कर लिया है। दोनों पर बिहटा कोर्ट हत्याकांड समेत हत्या, लूट, रंगदारी और संगठित अपराध के कई संगीन मामले दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक, यह गिरफ्तारी एक लंबी और सटीक खुफिया निगरानी के बाद की गई है।

अमेरिका-ईरान में तनाव घटाने की कोशिश

युद्ध टालने के लिए तुर्किये ने की मध्यस्थता की पेशकश

दुबई, एजेंसी

तुर्किये इस हफ्ते के अंत तक अमेरिका और ईरान के बीच एक बैठक कराने की कोशिश कर रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव और युद्ध के खतरे को कम करना है। हालांकि न तो अमेरिका और न ही ईरान ने इस बात की पुष्टि की है कि वे किसी भी बातचीत में हिस्सा लेंगे या नहीं। तुर्किये के अधिकारी चाहते हैं कि अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और ईरानी नेताओं के बीच सीधी बातचीत हो।

बात नहीं बनी तो नतीजे बहुत बुरे!

इस सबके बीच अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में अपने शक्तिशाली युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन और कई मिसाइल नष्ट करने वाले जहाज तैनात कर दिए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ बातचीत चल रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि कोई समझौता हो जाएगा, लेकिन साथ ही चेतावनी दी कि अगर बात नहीं बनी तो नतीजे बहुत बुरे हो सकते हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने फिलहाल ईरान में सत्ता बदलने की किसी भी योजना से इनकार किया है।

यूरोपीय संघ की ईरान पर कार्रवाई

इस बीच, यूरोपीय संघ (ईयू) ने ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकवादी समूह घोषित कर दिया है। इसके विरोध में ईरान ने तेहरान में मौजूद यूरोपीय संघ के सभी राजदूतों को तलब किया। ईरानी विदेश मंत्रालय के बगाई ने पत्रकारों को बताया कि राजदूतों को रविवार से बुलाया जाना शुरू हो गया था और सोमवार तक यह जारी रहा। बगाई ने कहा, 'हमें लगता है कि आने वाले दिनों में जवाबी कार्रवाई के बारे में फैसला लिया जाएगा।' सोमवार को ब्रिटेन ने भी कार्रवाई करते हुए ईरान के गृह मंत्री और नौ अन्य अधिकारियों पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। रिवोल्यूशनरी गार्ड पर जनवरी के प्रदर्शनों को बेरहमी से कुचलने का आरोप है। मानवाधिकार संगठनों के अनुसार, इन प्रदर्शनों में 6,848 से ज्यादा लोग मारे गए, जबकि ईरान सरकार ने 21 जनवरी तक यह संख्या 3,117 बताई है।

शुरू किया सैन्य अभ्यास

तनाव के बीच ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में सैन्य अभ्यास भी शुरू कर दिया है। यह समुद्री रास्ता दुनिया के तेल व्यापार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अमेरिका ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी है कि वह व्यापारिक जहाजों या अमेरिकी युद्धपोतों के काम में बाधा न डाले। सैटेलाइट तस्वीरों में इस इलाके में ईरानी नौसेना की हलचल साफ देखी गई है।

लोनावला में ट्रेकिंग के दौरान लॉ छात्रा की दर्दनाक मौत, 390 फीट गहरी खाई से मिला शव

मुंबई। महाराष्ट्र के लोनावाला एक दुखी कर देने वाली खबर सामने आ रही है। लोनावला में नवी मुंबई की 19 वर्षीय लॉ छात्रा की ट्रेकिंग के दौरान दर्दनाक मौत हो गई है। मृतका की पहचान श्रेया पति (19) के रूप में हुई है। वह मुंबई से लोनावला ट्रेकिंग के लिए आई थी। हालांकि, ट्रेकिंग के दौरान युवती 390 फीट गहरी खाई में गिर गई जिस कारण उसकी मौत हो गई है। आइए जानते हैं इस पूरे हादसे के बारे में।

यह हादसा लोनावला के टाइगर पॉइंट वैली स्थित ड्यूक्स नोज इलाके में हुआ, जहां युवती 390 फीट गहरी खाई में गिर गई। कड़ी मशक्कत के बाद रेस्क्यू टीम ने उसका शव बाहर निकाला है। ड्यूक्स नोज इलाके में ट्रेक पर जाने के बाद वह शाम तक घर नहीं लौटीं। इसके बाद परिजनों ने रात में लोनावला पहुंचकर उनकी तलाश शुरू की और स्थानीय लोगों से पूछताछ की। शुरुआती जानकारी में सामने आया कि श्रेया इलाके में आई थीं, लेकिन बाद में उनका कोई सुराग नहीं मिला।

मेट्रो एंकर

जगदगुरु परमहंस आचार्य का अल्टीमेटम, कहा- सीएम योगी से मांगें माफी

अविमुक्तेश्वरानंद अयोध्या में नहीं कर पाएंगे एंट्री...

अयोध्या, एजेंसी

रामनगरी अयोध्या से शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को लेकर विवाद तेज हो गया है। बीते दिनों जीएसटी के डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर लगातार स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद द्वारा की जा रही अभद्र टिप्पणी से आहत होकर इस्तीफा दे दिया था। नाटकीय घटनाक्रम में रोते हुए अपने परिवार से बातचीत भी की थी। अब इसी कड़ी में अयोध्या के तपस्वी छावनी पीठाधीश्वर जगदगुरु परमहंस आचार्य भी उतर आए हैं। उन्होंने सीएम योगी के समर्थन में अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ बकायदा कहा है कि उन्हें अयोध्या में प्रवेश न करने दिया जाए।

जगदगुरु परमहंस आचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर की गई कथित अभद्र टिप्पणियों से नाराज हैं। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को औरंगजेब और हुमायूं का बेटा कहना अत्यंत निंदनीय है। एक संत को शोभा नहीं देता। सीएम योगी सनातन धर्म और उत्तर प्रदेश के हित में लगातार काम कर रहे हैं। इस तरह की भाषा अस्वीकार्य है। जब तक स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद अपने शब्द वापस नहीं लेते और योगी जी माफी नहीं मांगते, तब तक उन्हें अयोध्या में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का गाय को लेकर चल रहा आंदोलन राजनीति से प्रेरित है। विपक्ष को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गाय को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग के बावजूद बछड़ा और बैल के वध पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया जा सका है। परमहंस आचार्य ने केंद्र और राज्य सरकार से गोवंश को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने और पूर्ण रूप से गौहत्या पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। साथ ही ग्राम स्तर पर गौ रक्षा के लिए ठोस व्यवस्था किए जाने की अपील की।

जगदगुरु परमहंस आचार्य ने कहा कि भगवा पहनकर इस तरह की टिप्पणी करना पूरे संत समाज का अपमान है। जब तक स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद अपने शब्द वापस नहीं लेते, तब तक सभी सनातनी उनका बहिष्कार करें।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564